सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 272 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 16 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

कांकेर में बेकाबू ब्रेजा कार ने रौंदा, पीछा कर पुलिस ने पकड़ा चालक

कांकेर। जिले के सिंगरभाटा के पास बीती रात एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार चालक ने सड़क पर चल रहे कई लोगों को टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पीछा कर कार चालक को हिरासत में ले लिया है। आमजनों ने बताया कि चारामा की ओर से जगदलपुर जा रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई। चालक ने कार, बाइक और अन्य लोगों को टक्कर मारते हुए तेजी से निकल गया। इसके बाद कुछ लोगों ने कार का पीछा किया और कोतवाली थाना प्रभारी को सूचना दी। पुलिस ने भी तत्काल कार चालक का पीछा करना शुरू कर दिया। डर के कारण चालक ने कार की रफ्तार और बढ़ा दी। इस दौरान उसने अपना नियंत्रण खो दिया। कार सिंगरभाटा के पास एक गड्ढे में जा फंसी। पुलिस ने सूचना मिलते ही तुरंत पीछा शुरू किया। भागते समय कार सिंगरभाटा के पास एक गड्ढे में उतर गई। इससे वाहन रुक गया और पुलिस ने चालक को पकड़ लिया।

सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हर जिंदगी कीमती

नईदिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल 19वें दिन भी जारी है। लंबे समय से जारी इस हड़ताल के कारण उनका वजन 9 किलोग्राम से अधिक घट गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी शारीरिक स्थिति पर लगातार निगरानी रख रही है। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की अदालत इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल के द्वारा दिए गए आश्वासन से हम संतुष्ट हैं। यह निर्देश दिए जाते हैं कि सरकारी डॉक्टरों द्वारा सोनम वांगचुक्की नियमित जांच की जाए और डॉक्टरों की सलाह पर उचित हस्तक्षेप किया जाए। अदालत ने जनहित याचिका का निस्तारण किया।

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस, बैठक के बाद एलान

नईदिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने संसद के मानसून सत्र को लेकर होने वाली सर्वदलीय बैठक से पहले अहम मंथन किया है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर हुई इस बैठक में कई अहम पर मंथन किया गया है। इस बैठक के बाद कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने प्रेस को बताया कि पार्टी ने संसद के आगामी सत्र में परिसीमन बिल समेत सरकार के कई विधेयकों का विरोध करने का फैसला किया है।

बंगाल में बने सिस्टम से 48 घंटे बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया के मजबूत होने से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। मौसम विभाग ने 17 जुलाई कई जगहों पर हल्की से मध्यम, जबकि कुछ इलाकों में भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

दुर्ग पुलिस की पिंक पेट्रोलिंग शुरू, महिलाओं की सुरक्षा के लिए सतर्क रहेंगी 14 टीमें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महिलाओं की सुरक्षा के लिए दुर्ग पुलिस द्वारा विशेष पहल की गई है। गुरूवार को दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने पुलिस कंट्रोल रूम, सेक्टर-06 भिलाई से 14 पेट्रोलिंग टीमों को रवाना किया। यह टीमें जिलेभर में महिलाओं सुरक्षा के लिए सतर्क रहेंगी। इसके लिए जिले के 13 थाना क्षेत्रों एवं 01 रक्षा टीम सहित कुल 14 विशेष टीमों का गठन किया गया है, प्रत्येक टीम में 04 पुलिसकर्मी एवं एक पीएसआई प्रभारी तैनात रहेंगे।

स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों, बाजार, मॉल, पार्क, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित गश्त कर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। महिला सुरक्षा संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, डायल-112 के माध्यम से तत्काल सहायता तथा जन-जागरूकता अभियान के माध्यम से सुरक्षित वातावरण विकसित किया जाएगा। ये टीमें महिलाओं, छात्राओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतत गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेंगी।

पिंक पेट्रोलिंग अभियान के प्रभावी संचालन, समन्वय एवं मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी उप पुलिस अधीक्षक भारती मरकाम एवं उप पुलिस अधीक्षक आकर्षि कश्यप द्वारा निभाई जा रही है। कार्यक्रम में एएसपी (शहर) सुखनंदन राठौर, एएसपी (ग्रामीण) मणिशंकर चंद्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋचा मिश्रा, नगर पुलिस अधीक्षक हर्षित मेहर, नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी, उप पुलिस अधीक्षक , उप पुलिस अधीक्षक भारती मरकाम, आकर्षि कश्यप सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पिंक पेट्रोलिंग के प्रमुख कार्य

- स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग संस्थानों में प्रवेश एवं छुट्टी के समय नियमित पेट्रोलिंग कर छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- महिलाओं से संबंधित शिकायतों एवं पिंक पैट्रोलिंग,डायल-112 से प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक सहायता एवं वैधानिक कार्रवाई करना।
- पार्क, गार्डन, बाजार, मॉल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित गश्त करना।
- असामाजिक तत्वों, मनचलों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखते हुए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करना।
- महिला हेल्पलाइन 1091, आपातकालीन सेवा 112 एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 के संबंध में जन-जागरूकता बढ़ाना।
- महिलाओं, छात्राओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण स्थापित करना।

बड़ा हादसा : खड़ी ट्रेक्टर से टकराए स्कूटी सवार दो बच्चों सहित चार की मौत, एक बच्चा घायल

■ कुम्हारी थाना क्षेत्र की घटना, रायपुर जा रहे थे सभी सवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुम्हारी में दुर्ग-रायपुर नेशनल हाईवे गुरुवार की सुबह तेज रफ्तार स्कूटी सड़क किनारे खड़ी ट्रेक्टर से टकरा गई। हादसे में स्कूटी सवार दो बच्चों सहित चार की मौत हो गई। हादसे में एक बच्चा घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्कूटी में बच्चों समेत 5 लोग सवार थे। सुबह 10 से 10:30 बजे के बीच हादसा हुआ। ट्रैक्टर सड़क के किनारे खड़ा था और तेज रफ्तार स्कूटी पीछे जा घुसी। पुलिस ने घायल बच्चे को अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस से मली जानकारी के अनुसार स्कूटी अमृत निर्मलकर (28 वर्ष) चला रही थीं। उनके साथ लक्ष्मी निर्मलकर 26 वर्ष और तीन बच्चे . यासना, उम्र 7 वर्ष, डॉली, उम्र 4 वर्ष और भावेश, उम्र 8 वर्ष सवार थे। सभी बसंत विहार, रायपुर स्थित अपने मामा के घर जाने के लिए निकले थे। इनकी स्कूटी हाइवे पर खड़े क्रमांक CG 07 NA 0930 ट्रैक्टर, जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर लोड थे, के पीछे स्कूटी टकरा गई। दुर्घटना में चार व्यक्तियों की घटनास्थल पर मृत्यु हो गई, जबकि एक बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में अमृत निर्मलकर, लक्ष्मी निर्मलकर, यासना और डॉली की मौत हो गई। वहीं भावेश, घायल हो गया जिसे एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम हेतु सुपेला स्थित मर्चुरी में रखा गया है। घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है। दुर्घटना में संलिप्त ट्रैक्टर को पुलिस द्वारा जप्त कर थाना परिसर लाया गया है। ट्रैक्टर चालक भोला यादव को पूछताछ हेतु थाना लाया गया है। प्रकरण में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

ई-20 ईंधन पेट्रोल से इंजन हुआ खराब, अब कंपनी को देना होगा जुर्माना

■ कंज्यूमर कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

रायपुर। एथेनॉल मिश्रित ई20 पेट्रोल को लेकर देश में पहली बार उपभोक्ता के पक्ष में बड़ा फैसला आया है। रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (कंज्यूमर कोर्ट) ने ई20 ईंधन के कारण कार में लगातार आई तकनीकी खराबी के मामले में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर को जिम्मेदार ठहराते हुए ऐतिहासिक आदेश जारी किया है। आयोग ने कंपनी को 45 दिनों के भीतर ग्राहक को उसी मॉडल की नई ई20 अनुकूल कार उपलब्ध कराने या फिर वाहन की पूरी कीमत 20.5 लाख रुपए लौटाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा मानसिक प्रताड़ना, मुकदमे का खर्च और ब्याज भी देना होगा।

यह मामला राजधानी के किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेमराज देबता से जुड़ा है। उन्होंने 3 जून 2024 को मारुति की एसयूवी खरीदी थी। करीब पांच महीने बाद गाड़ी बार-बार बंद होने लगी। कंपनी बार बार टंकी साफ कर वापस करती रही। विवाद के दौरान पेट्रोल के नमूनों की जांच स्वतंत्र सरकारी मान्यता प्राप्त एसजीएस लैब में कराई गई। रिपोर्ट में ईंधन में एथेनॉल की मौजूदगी की पुष्टि हुई। इसी के कारण इंजन खराब होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आयोग ने आदेश दिया है कि यदि कंपनी नई ई20 अनुकूल कार या वाहन की कीमत 20.5 लाख रुपए लौटाए।

भिलाई में 2878 नियमिती करण लंबित सरकार ने माना- प्रक्रिया में हजारों आवेदन

विधानसभा में विधायक रिकेश ने उठाया मुद्दा, मंत्री का जवाब- दस्तावेजों की कमी और जांच से हो रही देरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने विधानसभा मानसून सत्र के चतुर्थ दिवस भिलाई नगर निगम में लंबित नियमितीकरण प्रकरणों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने सरकार से लंबित आवेदनों, देरी के कारणों और प्रक्रिया पूरी करने की समय-सीमा पर जवाब मांगा।

विधायक रिकेश सेन ने पूछा कि पिछले तीन वर्षों में नियमितीकरण के कितने आवेदन लंबित हैं। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि फाइलों पर अंतिम निर्णय क्यों नहीं हो रहा। नियमितीकरण प्रक्रिया जारी है या स्थगित कर दी गई है। साथ ही प्रक्रिया पूरी करने की निश्चित समय-सीमा बताने की मांग की।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सदन में लिखित उत्तर प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि भिलाई नगर निगम क्षेत्र में 2878 नियमितीकरण प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं। सरकार के अनुसार अभिलेखों की जांच में समय लग रहा है। आवश्यक दस्तावेजों की कमी भी प्रमुख कारण है। कई मामलों में स्थल निरीक्षण लंबित है। इन्हीं कारणों से अंतिम निर्णय में देरी हो रही है। सरकार ने स्पष्ट किया कि नियमितीकरण प्रक्रिया स्थगित नहीं की गई है। सभी प्रकरण प्रचलित कानून और नियमों के अनुसार निराकृत किए जा रहे हैं।

नियमितीकरण प्रकरणों के निराकरण के लिए अलग समय-सीमा निर्धारित नहीं है। सभी मामलों का नियमानुसार और यथाशीघ्र निराकरण किया जा रहा है।

पशु चिकित्सालय के जर्जर भवन का मुद्दा उठा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के चतुर्थ दिवस वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने सुपेला भिलाई स्थित पशु चिकित्सालय के जर्जर भवन का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने ध्यानाकर्षण के जरिए इस अहम विषय पर सरकार से सीधे सवाल किए। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने सदन में स्थिति स्पष्ट करते हुए स्वीकार किया कि उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं जिला दुर्ग द्वारा नवीन भवन निर्माण का प्रस्ताव मिला है। 10 अप्रैल 2026 को प्राप्त यह प्रस्ताव वर्तमान में प्रक्रियाधीन है। हालांकि, विभागीय मंत्री ने नए संसाधनों और पदों की वृद्धि के संबंध में कोई भी निश्चित समय-सीमा बताने में असमर्थता जताई।

महासमुंद सामूहिक नकल केस : हाईकोर्ट की फटकार के बाद 5 कर्मचारियों पर चार्जशीट जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। जिले में सामूहिक नकल के मामले में स्कूल शिक्षा सचिव ने शपथपत्र में कार्रवाई की जानकारी दी है। इसके अनुसार 4 शिक्षक और एक चपरासी सहित 5 लोगों के खिलाफकार्रवाई करते हुए चार्जशीट जारी की गई है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने इस मामले में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी देने के निर्देश दिए थे। शिक्षा सचिव ने शपथपत्र में बताया कि घटना की जांच के बाद आरोपी लोगों में लेक्ररर गंगा प्रसाद पटेल, अनिरुद्ध आलोक भोई, दिनेश कुमार दास, असिस्टेंट टीचर (एल बी), दुर्गा प्रसाद पटेल और चपरासी विजिया बुडेक को

चार्जशीट जारी कर दी गई हैं।

इन सब को तय समय में जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद डिपार्टमेंटल जांच कानून के अनुसार आगे बढ़ेगी। शपथपत्र में आगे कहा गया है कि डिपार्टमेंट ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और अगर डिपार्टमेंटल जांच में यह सब अधिकारी व भृत्य दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई होने के बाद फिर देनी होगी रिपोर्ट

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने सुनवाई के दौरान कहा कि मामले में छत्तीसगढ़ सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग के सेक्रेट्री एक और पर्सनल एफिडेविट फाइल करेंगे, जिसमें पांच आरोपियों के खिलाफ शुरू की गई डिपार्टमेंटल जांच की प्रोग्रेस और उसके अनुसार की गई कार्रवाई बताई जाएगी। अगर जांच पूरी हो जाती है, तो उसका आखिरी नतीजा भी संबंधित ऑर्डर के साथ रिकॉर्ड में लाया जाएगा। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।

पानी भरे गड्ढे में डूबने से 3 बच्चों की मौत

राजनांदगांव। जिले के डोंगरगढ़ में नहाने के दौरान बारिश के पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। यह गड्ढा रेलवे निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी निकालने के बाद ठेकेदार ने खुला छोड़ दिया था, जो बारिश में पानी से भर गया। घटना बोरतालाव थाना क्षेत्र के आश्रित ग्राम गांधीनगर की है। मिली जानकारी के अनुसार गांधीनगर निवासी सार्थक कोकोटे, कृष मण्डावी (08) और दानेश मण्डावी (06) बुधवार शाम घर के पास खेल रहे थे। इसी दौरान तीनों 6 फीट गड्ढे में नहाने के लिए चले गए। ग्रामीणों ने पानी से भरे गड्ढे से तीनों बच्चों के शव बाहर निकाले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए डोंगरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया।

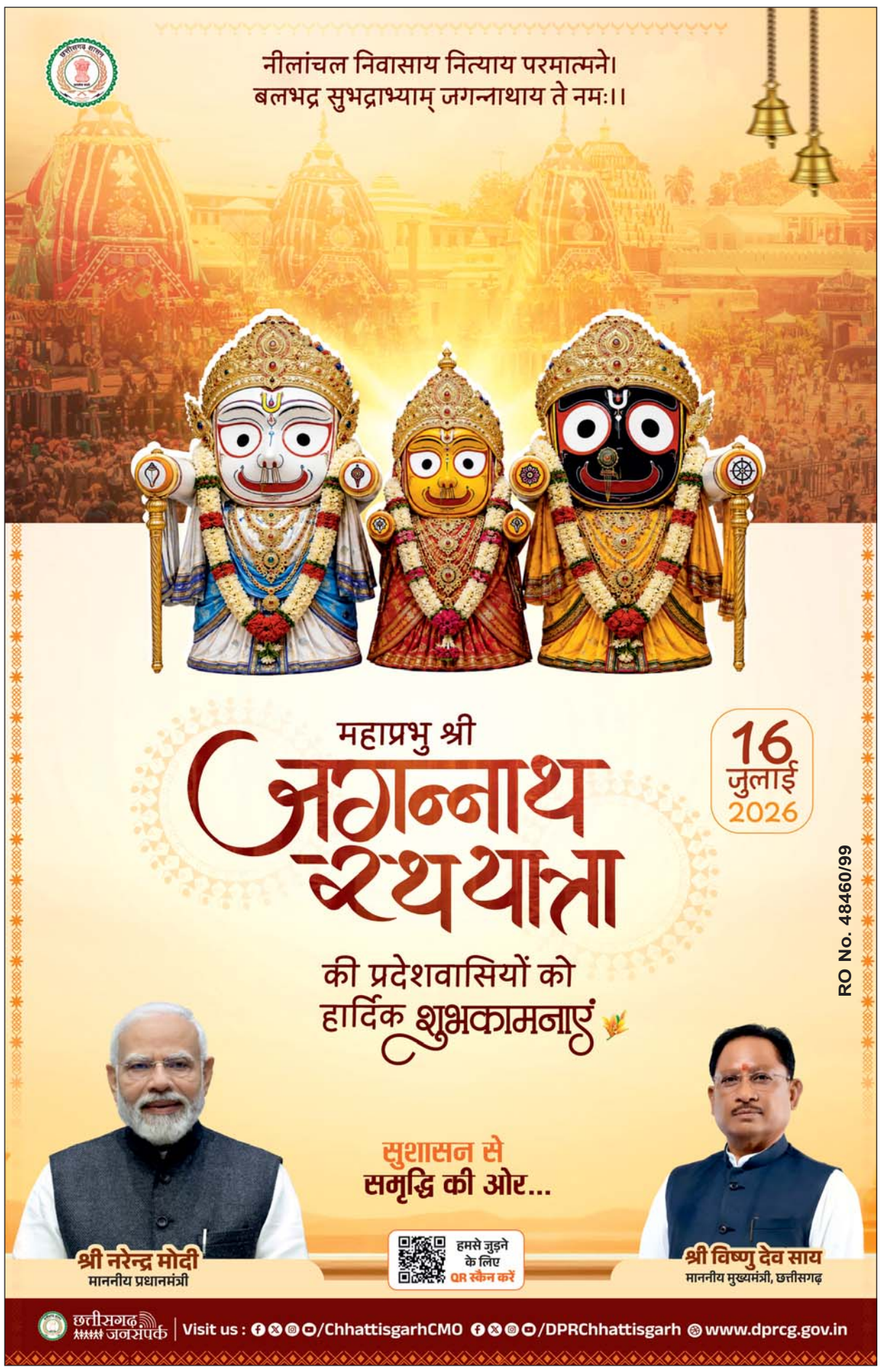

संपादकीय

सुनें तार्किक विरोध

वांगचुक के आंदोलन पर सहानुभूति से हो विचार

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती रही है कि यहां हर अलग राय व असहमति को सम्मान मिला है। निश्चय ही यह दृष्टि लोकतंत्र को मजबूत ही करती है। जब हम कहते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तो प्रतिरोध की आवाज को सुनने के लिये नीति-नियंताओं को बड़ा दिल भी दिखाना चाहिए। एक बार फिर इस भावना की परीक्षा तब हो रही है, जब हमारे देश में लाखों बच्चों का भविष्य तय करने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठे हैं। परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाये रखने के लिये शिक्षाविद् और इनोवेटर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर देश में चिंता है। उनका वजन काफी कम हुआ है, रक्त शर्करा कम हुई है और कमजोरी आने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर उनकी खराब होती सेहत हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। निश्चय ही वांगचुक किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं रखते और न ही वे यह आंदोलन किसी निजी लाभ के लिये कर रहे हैं। वे भले ही छात्रों के भविष्य के मुद्दे को लेकर अस्तित्व में आई- 'कॉकरोच जनता पार्टी' के समर्थन में खड़े हुए हों, लेकिन उनकी चिंता के केंद्र में उन लाखों छात्रों का भविष्य है, जो प्रतियोगिता परीक्षाओं के तौर-तरीकों को लेकर अविश्वास जता रहे हैं। उनके आंदोलन के मूल में उन लाखों अभिभावकों की फिक्र है, जिनका भरोसा बार-बार पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रियाओं में अनियमितताओं को लेकर डगमगा रहा है। कहना मुश्किल है कि लगाया जा रहा हर आरोप सही ही हो, लेकिन एक बात से तो इनकार नहीं किया जा सकता कि देश की कई महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में लोगों का विश्वास कम हुआ है। ऐसे में देश के नीति-नियंताओं को पारदर्शी सुधार लाकर और बेहतर जवाबदेही के माध्यम से दरके हुए विश्वास को जल्द बहाल करने की जरूरत है।

> "परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाये रखने के लिये शिक्षाविद् और इनोवेटर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर देश में चिंता है। उनका वजन काफी कम हुआ है, रक्त शर्करा कम हुई है और कमजोरी आने की बात कही जा रही है। निश्चित रूप से राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर उनकी खराब होती सेहत हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। निश्चय ही वांगचुक किसी राजनीतिक दल से संबंध नहीं रखते और न ही वे यह आंदोलन किसी निजी लाभ के लिये कर रहे हैं।

निर्विवाद रूप से ये लोकतंत्र का तकाजा भी है कि सत्ताधीशों को किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उन नागरिकों की बात को भी सुनना चाहिए, जो नीतियों की विसंगतियों को लेकर सवाल उठा रहे हों। यह जानते हुए कि उनकी राजनीतिक दल विशेष से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। निस्संदेह, देश में कोई भी सरकार जनता के अभिभावक के रूप में होती है। वैसे भी किसी शांतिपूर्ण विरोध की लंबे समय तक अनदेखी से आंदोलनकारियों और आम लोगों में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है। निस्संदेह, यदि आंदोलनकारियों से बातचीत की पहल होती है तो इसको उसकी कमजोरी नहीं कहा जाएगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भूख हड़ताल के नैतिक और चिकित्सीय पहलू भी होते हैं। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह आंदोलन कर रहे व्यक्ति की अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करते हुए उसके जीवन की रक्षा करे। वहीं दूसरी ओर किसी भी चिकित्सीय हस्तक्षेप के दौरान कानून और चिकित्सा-संबंधी नैतिक नियमों का पालन किया जाना भी जरूरी है। इस बात में दो राय नहीं है कि मौजूदा गतिरोध से किसी का भी भला नहीं हो सकता। सही मायने में बातचीत की शुरुआत करने के लिये सरकार को हर मांग को पूरा करने की जरूरत भी नहीं है। वहीं दूसरी ओर आंदोलनकारियों को भी बातचीत को सार्थक बनाने के लिये प्रयासरत रहने की जरूरत है। ऐसे में समस्या के समाधान के लिये एक भरोसेमंद समिति और चिंताओं से जुड़े मुद्दों पर विचार करने के लिये एक तय समय-सीमा वाला रोडमैप, भरोसे की कमी को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। सही मायने में इस आंदोलन के मानवीय पक्ष पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। यानी सरकार समझने की कोशिश करे कि इस आंदोलन के जन्म लेने के पीछे क्या भावनाएं काम कर रही थीं। साथ ही सरकार को शांतिपूर्ण विरोध के मूलभूत लोकतांत्रिक अधिकार का सम्मान करना चाहिए। निश्चित रूप से बातचीत के लिये किया गया कोई ईमानदार प्रयास गतिरोध को दूर करने में सहायक साबित हो सकता है। साथ ही इस बात की संवेदनशीलता का ध्यान रखना भी जरूरी है कि शासन की शिथिलता व उदासीनता की कीमत सोनम वांगचुक की सेहत को न चुकानी पड़े।

इस विशाल पथ पर श्रीजगन्नाथ रथ यात्रा

द्रौपदी मुर्मु

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएँ और भजन याद हैं। स्कूल और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती। किंतु साँझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूँ। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूँ:

मेरे पास दिन-रात रहते हैं महाप्रभु परमेश्वर,
यह बात याद कर हृदय में पूजूँगा उन्हें निरंतर।

मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर में अक्सर जगन्नाथ जी की चर्चा होती थी। गाँव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था। जब मैं गाँव के स्कूल में पढ़ती थी, भक्त सालबेग की 'आहे नीड़ो शोइड़ो' प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथ जी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आँखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र है चाँदनी फूल की तरह सफेद। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती।

सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद 'महाप्रसाद' है, उनका मंदिर 'बड़ा मंदिर' है, उनका पथ 'विशाल पथ' (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र 'महोदधि' है। मयूरभंज के उपरबेड़ा गाँव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहाँ मिलता। किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। हॉस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है। बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं?

क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहाँ आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर 'विशाल पथ' (बोड़ो दांडो) पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है।

बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ!

राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया। इतनी ऊँचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना - यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर में दिल्ली के हौजखास में बने जगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए। आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। अत्यंत उत्साह से चुनाव कैंपेन में भाग लिया। 25 जुलाई, 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अच्छी तरह संपन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे।

पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन के लिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है! मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे 'भाव' के ठाकुर हैं। मेरा 'भाव' कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। उस दिन 10 नवंबर, 2022 था। पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर। कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुँचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है। यहाँ क्या आवश्यकता है प्रोटोकॉल की? पुरी तो क्षेत्रराज के रूप में प्रसिद्ध है। महाप्रभु देवाधिदेव हैं। और अधिक कुछ सोचने से पहले मैंने गाड़ी रुकवाई। मेरी गाड़ी रुकने पर पीछे आ रही सारी गाड़ियाँ रुक गईं। किसी के कुछ समझने से पहले मैंने पावन-पथ पर नंगे पैर चलना शुरू कर दिया। श्रीमंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखते हुए मैं आगे बढ़ती चली गई।

पथ के दोनों किनारों पर खड़े बच्चों, महिलाओं, युवा-छात्रों और बुजुर्गों को नमस्कार भी करती जा रही थी। मेरा ध्यान था जगन्नाथ जी के पास। श्रीमंदिर के सिंहद्वार के पास पहुंचते ही मैं स्थिर नहीं रह पाई। तब तक मैं खुद को भूल चुकी थी। पावन-पथ की धूल में साष्टांग लेटकर मैंने महाप्रभु को प्रणाम किया। उसके बाद मंदिर में प्रवेश। गर्भगृह में पहुंचकर चतुर्धा मूर्तियों का दर्शन करते ही मैं आनंद से अभिभूत हो गई। महाप्रभु जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। जगत के लोगों का दु:ख दूर करने के लिए वे सदा तत्पर रहते हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आँखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको सामान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं। उनकी करुणा पाकर ही मैंने समाज के हर वर्ग की सेवा में स्वयं को समर्पित किया है। गोल-गोल आँखों वाले की ओर देखते हुए करबद्ध होकर बोली, आपके आशीर्वाद से मेरा यह समर्पण भाव हमेशा बना रहे, हे महाबाहु। देश-दुनिया पर अपनी छत्र-छाया बनाये रखें, हे कृपानिधि! यह कहते हुए मैं भक्तिभाव से विह्वल हो उठी।

[भारत की राष्ट्रपति,
नई दिल्ली।]

कॅरिअर काउंसलिंग से परे क्यूरियोसिटी काउंसलिंग की ओर कदम बढ़ाने चाहिए

एन. रघुरामन

आठवीं कक्षा से ही हर अकादमिक सत्र में क्लास टीचर एक ही सवाल पूछती थीं कि 'बड़े होकर क्या बनना चाहते हो?' लड़का एक ही जवाब देता, 'अभी नहीं जानता।' जबकि सहपाठियों की महत्वाकांक्षा पहले से तय थीं- डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट या बैंकर। यह लड़का हमेशा 'अन-डिसाइडेड' ही रहता था।

टीचर को लगता था कि वह स्लो-लर्नर है, इसलिए जवाब देने का दबाव नहीं डालती थीं। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उसका सपना तो दूसरों से ज्यादा अनोखा था। उसके पिता कॉबलर थे और 13 सालों से वह उन्हें फुटवियर बनाते देख रहा था। हर सिलाई, हर सोल और हर ग्राहक उसकी पाठशाला बन गया था। चुपके से उसके भीतर एक सपना पनप चुका था। कॉबलर बनने का नहीं, बल्कि यह कि एक दिन वह खुद की शू कंपनी में पिता को चेयरमैन बनाएगा। लेकिन जगहंसाई के डर से उसने सपना किसी से साझा नहीं किया।

एक दोपहर टीचर ने उसे जूते बनाने की प्रक्रिया में डूबे देखा। अगले हफ्ते उन्होंने एक शू कंपनी के मालिक को क्लास में बुलाया। जैसे-जैसे सेशन आगे बढ़ा, शांत रहने वाला लड़का बिल्कुल बदल गया। उसने लेदर ग्रेड, मोल्ड्स, प्रोडक्शन लाइन, क्वालिटी कंट्रोल, एक्सपोर्ट, मशीनरी, सप्लाई चेन और ब्रांडिंग को लेकर सवाल पूछे। आंत्रप्रेन्योर हैरान रह गया।

ज्यादातर स्टूडेंट्स ने भी ये शब्द पहली बार सुने, लेकिन लड़का इंडस्ट्री की भाषा बोल रहा था। आंत्रप्रेन्योर ने तुरंत उसकी जिज्ञासा पहचान ली, जो किताबें कभी नहीं दे सकतीं। सेशन के अंत में उसने लड़के को छुट्टियों के दौरान स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप का ऑफर दिया और मेंटर बनने का वादा भी किया। इसी अवसर ने उसके सपने को दिशा दे दी।

यह महज एक इंस्पायरिंग स्टोरी नहीं है। यह कैलिफोर्निया की 'लिंक्ड लर्निंग अलायंस' की फिलॉसफी को दर्शाती है। यह एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है, जो स्कूलों के साथ साझेदारी में 3.30 लाख से अधिक स्टूडेंट्स के लिए 600 से ज्यादा कॅरिअर पाथवे तैयार कर रही है। चंद पारंपरिक पेशों में फिट होने के बजाय स्टूडेंट्स यहां कृषि, मनोरंजन और पब्लिक पॉलिसी जैसे विविध क्षेत्रों को एक्सप्लोर करते हैं।

लिंक्ड लर्निंग सिर्फ विशेषज्ञों की स्पीच ही आयोजित नहीं करती, बल्कि स्टूडेंट्स को ड्यूल एनरोलमेंट के जरिए कॉलेज क्रेडिट दिलाने और उद्योगों द्वारा मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेशन हासिल करने में भी मदद करती है। यहां शिक्षा क्लासरूम तक सीमित होने के बजाय वास्तविक जीवन से जुड़ जाती है।

इस पहल में आर्थिक रूप से वंचित परिवारों के स्टूडेंट्स पर विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि परिस्थितियों की मजबूरी के चलते प्रतिभा का दम न घुट जाए। इनमें से कई पार्टिसिपेंट शायद कभी पारंपरिक कॉलेज शिक्षा न लें, फिर भी वे अपनी स्किल, आत्मविश्वास और कॅरिअर अवसरों के साथ ग्रेजुएट होते हैं।

इस पहल की एक और खासियत है- लगातार मिलने वाला फीडबैक। हर प्रोजेक्ट के बाद छात्र अपना काम उद्योग विशेषज्ञों के सामने रखते हैं, जो केवल ज्ञान को ही नहीं, बल्कि जिज्ञासा, कम्युनिकेशन, धैर्य और प्रॉब्लम-सॉल्विंग जैसी खूबियों को भी परखते हैं। टीचर उस फीडबैक को क्लासरूम लर्निंग में शामिल करते हैं, जिससे हर बच्चा अपनी ताकत के साथ पढ़ाई में आगे बढ़ता रहता है।

कई बार परिणाम स्टूडेंट की मूल रुचि से सीधे जुड़े हुए भी नहीं होते। इतिहास में रुचि रखने वाला कोई छात्र आगे चलकर पीडियाट्रिशियन बन सकता है। लेकिन किसी व्यक्ति की कहानी को धैर्य से समझने, सोच-समझकर सवाल पूछने और असम्बद्ध दिखने वाले तथ्यों को जोड़ने की आदत ही वह खूबी है, जो उसे असाधारण डॉक्टर बनाती है। रुचि ऐसी क्षमताएं विकसित करती है, जो अकसर विषय से भी ज्यादा मायने रखती है।

शायद स्कूल अब तक बच्चों से गलत सवाल पूछते रहे हैं। 'बड़े होकर क्या बनना चाहते हो?' इसके बजाय उन्हें पूछना चाहिए कि 'ऐसा क्या है जिसमें तुम्हें समय का पता ही नहीं चलता? कौन-सी समस्या तुम्हें उत्साहित करती है? किस चीज को लेकर तुम्हारे भीतर स्वाभाविक जिज्ञासा है?

कॅरिअर जीवन में कई बार बदल सकते हैं, लेकिन जिज्ञासा बहुत कम बदलती है। शिक्षा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी डॉक्टर, इंजीनियर या आंत्रप्रेन्योर तैयार करना नहीं है। उसकी जिम्मेदारी है पर्याप्त समय रहते बच्चे में छिपी प्रतिभा को पहचान लेना, ताकि वह खुद पर भरोसा करना शुरू कर दें- इससे पहले कि दुनिया उनसे कहे कि वे क्या नहीं बन सकते।

फंडा यह है कि भविष्य उन्हीं लोगों का है, जिन्हें पता है कि सच में उन्हें क्या करना पसंद है और जिन्हें उस काम को आगे बढ़ाने का मौका दिया जाता है।

रथयात्रा

उमड़ा जन सैलाब है, क्षेत्र पुरी शुभ धाम।
महापर्व श्री नाथ का, जगन्नाथ प्रिय नाम।।

दोनों भाई संग में, बहन विराजीं साथ।
दर्शन से मिलती खुशी, नित्य नवाएँ माथ।।

रथयात्रा यह पर्व है, मंगलमय शुभ काम।
संग सुभद्रा साथ में, श्री बलदाऊ नाम।।

ईश महाप्रभु जी सदा, हरते सारे क्लेश।
तन पावन शुभ आचरण, सबके सम्मुख पेश।।

जगन्नाथ भगवान जी, गरुड़ध्वज रथ संग।
सोलह पहिए सज गये, लाल पीत शुभ रंग।।

तालध्वज है बढ़ रहा, चौदह पहिए साथ।
बलदाऊ जी खुश बहुत, लाल-हरा प्रिय नाथ।।

बारह पहियों से चले, रथ है काला लाल।
दर्पदलन में शोभती, पहन सुभद्रा माल।।

'सुषमा' सुंदर भोग है, चढ़ता अन्न प्रसाद।
शंख-घंट रथ गूँजतें, अनुपम है यह स्वाद।।

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल
(रायपुर छ.ग.)

अकादमिक सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और कर्मचारी हितों के साथ आगे बढ़ता छत्तीसगढ़

विष्णु प्रसाद वर्मा

किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है और इसकी गुणवत्ता केंद्र में खड़े शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों की सक्षमता, सुरक्षा और सम्मान पर निर्भर करती है। जब उच्च शिक्षा व्यवस्था में कार्यरत मानव संसाधन को पदोन्नति, सेवा सुरक्षा, वित्तीय सम्मान और शोध के अवसर एक साथ मिलते हैं, तब शिक्षा राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की सबसे मजबूत धुरी बन जाती है। छत्तीसगढ़ का उच्च शिक्षा विभाग इन दिनों इसी व्यापक और समग्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग को केवल भवनों, पाठ्यक्रमों और परीक्षाओं तक सीमित न रखकर उसे अकादमिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता, रोजगार सृजन, शोध संवर्धन और कर्मचारी कल्याण से जोड़ा है। हाल के महीनों में लिए गए निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को भविष्य के ज्ञान-केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पदोन्नतियों की लंबित फाइलों को गति देना, नई भर्तियां, वेतनमान व एरियर्स का निराकरण, तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति, शोध को प्रोत्साहन और अनुकंपा नियुक्ति जैसे कदमों से विभाग ने हर मोर्चे पर ठोस और संवेदनशील पहल की है।

पदोन्नति से संस्थागत नेतृत्व को नई शक्ति

उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का एक बड़ा आधार उनका नेतृत्व होता है। जब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग्य और अनुभवी शिक्षकों को समय पर पदोन्नति मिलती है, तो उसका सीधा असर संस्थान की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक क्षमता पर दिखाई देता है। लंबित पदोन्नति प्रक्रियाओं को गति देकर राज्य सरकार ने एक निर्णायक पहल की है।

वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नत कर प्राध्यापक (प्रोफेसर) बनाया गया है। इसके साथ ही 152 पदोन्नत प्राध्यापकों को स्नातक प्राचार्य तथा 07 स्नातक प्राचार्यों को स्नातकोत्तर प्राचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया है। इन निर्णयों से महाविद्यालयों की कमान अनुभवी हाथों में पहुँची है, जिससे संस्थागत निर्णय क्षमता, शैक्षणिक अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत होगी।

सीधी भर्ती से युवाओं के लिए खुले अवसरों के नए द्वार

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के लिए संस्थानों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक और विशेषज्ञ अनिवार्य हैं। राज्य सरकार ने रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर युवाओं के लिए सरकारी सेवा में प्रवेश के बड़े अवसर निर्मित किए हैं। शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापकों के 595 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है।

इसके अतिरिक्त, विभागीय संरचना को सशक्त बनाने के लिए कुल 700 पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दी गई है। इनमें 625 पद सहायक प्राध्यापक, 50 पद ग्रंथपाल और 25 पद क्रीड़ाधिकारी के शामिल हैं। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती से विषयवार अध्यापन की गुणवत्ता बेहतर होगी, ग्रंथपालों से पुस्तकालय अकादमिक संसाधनों के प्रभावी केंद्र बनेंगे और क्रीड़ाधिकारियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा। यह अभियान प्रदेश के योग्य युवाओं को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनने जा रहा है।

CG-SET: युवा अकादमिक प्रतिभाओं के लिए बड़ी उम्मीद

राज्य में सहायक प्राध्यापक बनने की आकांक्षा रखने वाले हजारों युवाओं के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (CG-SET) एक महत्वपूर्ण अवसर है। विभाग द्वारा CG-SET का आयोजन 04 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित है द्य सरकार नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को अकादमिक करियर में आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। यह परीक्षा छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक परिदृश्य और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाने का अवसर देती है।

प्रयोगशालाओं और तकनीकी तंत्र को मिला नया आधार

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक विषयों के लिए प्रयोगशालाएं, उपकरण और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ उतने ही आवश्यक हैं जितने कक्षा और कक्ष। वर्ष 2025-26 के दौरान प्रयोगशाला तकनीशियन के 260 रिक्त पदों के विरुद्ध 247 अभ्यर्थियों तथा प्रयोगशाला परिचारक के 429 रिक्त पदों के विरुद्ध 399 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता से प्रयोगशालाओं का नियमित संचालन और विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी।

वेतनमान, एरियर्स और सेवा सुरक्षा: कर्मचारियों का बढ़ा भरोसा

विभागीय मजबूती का सबसे बड़ा आधार कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, न्यायपूर्ण वेतन संरचना और लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान है। आपातकालीन रूप से अचयनित रहे 72 सहायक प्राध्यापकों को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठ, प्रवर श्रेणी और पे-बैंड-4 की स्वीकृति देकर 37.23 करोड़ रुपये की एरियर्स राशि उनके खातों में अंतरित की गई है, जो संस्थागत न्याय का प्रतीक है।

इसी तरह, वर्ष 2021 और 2022 में नियुक्त लगभग 1168 सहायक प्राध्यापकों में से रिकॉर्ड 935 नवनियुक्त प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। परिवीक्षा समाप्त होना कर्मचारियों के लिए स्थायित्व और पेशेवर सुरक्षा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिससे विभाग के भीतर प्रतिबद्ध शैक्षणिक कार्यबल तैयार हुआ है।

शोध, अनुसंधान और गैर-अकादमिक स्टाफ का कल्याण

उच्च शिक्षा व्यवस्था में शोध और नवाचार की भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा 577 सहायक प्राध्यापकों को पीएचडी करने की अनुमति देना एक दूरदर्शी निर्णय है। अधिक शिक्षक जब शोध से जुड़ेंगे, तो कक्षा में अद्यतन ज्ञान पहुंचेगा और महाविद्यालयों में बौद्धिक विमर्श का स्तर ऊपर उठेगा।

शिक्षकों के साथ-साथ तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भी व्यवस्था की रीढ़ हैं। दिसंबर 2023 से अब तक दिवंगत कर्मचारियों के 34 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है, जो संकटग्रस्त परिवारों को जीवन संभालने का संबल देती है। इसके अतिरिक्त, 324 कर्मचारियों को उच्चतर समयमान वेतनमान प्रदान किया गया है और वर्ष 2024-25 की पदोन्नति संबंधी समस्त कार्यवाहियां समय सीमा में पूर्ण कर ली गई हैं।

उच्च शिक्षा में समग्र सुधार का उभरता मॉडल

उच्च शिक्षा विभाग के ये फैसले मिलकर एक व्यापक परिवर्तनकारी मॉडल की रचना करते हैं, जहां नेतृत्व सुदृढ़ीकरण, नई भर्ती, सेवा सुरक्षा, कर्मचारी कल्याण, तकनीकी संसाधन और शोध संवर्धन एक साथ आगे बढ़ते हैं। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आज दिखाई दे रहे हैं, वे केवल विभागीय उपलब्धियों की सूची नहीं, बल्कि एक ऐसी नीति-दृष्टि हैं जिसमें शिक्षा को राज्य के भविष्य निर्माण का केंद्रीय माध्यम माना गया है। आने वाले समय में ये प्रयास छत्तीसगढ़ के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को ज्ञान, शोध, नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन के सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित करेंगे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

मूकबधिर दिव्यांग युवाओं के लिए विशेष रोजगार मेले का आयोजन कल

दुर्ग। मूकबधिर दिव्यांग युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आगामी 17 जुलाई 2026 को एक विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर के उपसंचालक डॉ. शशिकला अतुलकर से मिली जानकारी के अनुसार, यह मेला पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, लोकभवन के बाजू, सिविल लाइन्स, रायपुर स्थित विशेष रोजगार कार्यालय में पूर्वान्ह 11.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां युवाओं का सीधे साक्षात्कार लेकर विभिन्न पदों पर चयन करेंगी। इस भर्ती मेले में प्रमुख रूप से नियोजक इनोवेटिव रिटेल कॉन्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड रायपुर द्वारा 'पिकर पैकर' के कुल 04 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसके लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण और आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है।

मदिरा की अवैध बिक्री करते एक व्यक्ति पकड़ाया

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश के परिपालन में आबकारी विभाग ने सोशल मीडिया में प्रसारित खबर अनुसार जवाहर नगर भिलाई में स्थित देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान बसंत विहार भिलाई जिसे आम बोल-चाल की भाषा में कचरा भट्ठी कहा जाता है, के निकट एक व्यक्ति द्वारा अधिक मूल्य पर शराब विक्रय की खबर की जांच वृत्त प्रभारी अधिकारी सुप्रिया शर्मा, सहायक जिला आबकारी अधिकारी द्वारा 15 जुलाई 2026 को किये जाने पर विडियों में दिखाई दे रहा व्यक्ति की पहचान कर मो. हामिद खान पिता नूर मोहम्मद निवासी-बैकुण्डधाम, थाना-छावनी के रूप में किया जाकर उनके निशानदेही पर मदिरा दुकान के पास झाडियों में छुपाकर रखा गया 31 नग पाव देशी मदिरा मसाला शोले जप्त कर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 95/2026 अंतर्गत धारा 34 (1) (2), 59 (क) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 कायम कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया जाकर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

सेवा सेतु केन्द्र से आम जनता के समय और धन की हो रही बचत

दुर्ग। जनता के द्वार डिजिटल सरकार की अवधारणा को साकार करते हुए सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से आम नागरिक विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से प्राप्त कर रहे हैं। आवेदक पमेन्द्र साहू ने भूमि उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए 04 जून 2026 को सेवा सेतु केन्द्र, तहसील कार्यालय दुर्ग में ऑनलाइन आवेदन किया। पहले भूमि उपयोग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उन्हें कई बार तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे। आवेदन की स्थिति की जानकारी समय पर नहीं मिलती थी, दस्तावेजों के सत्यापन में विलंब होता था तथा विभिन्न शाखाओं में बार-बार जाना पड़ता था। इस पूरी प्रक्रिया में समय, श्रम और आर्थिक व्यय भी अधिक होता था।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए निगम का विशेष अभियान, डेंगू-मलेरिया से बचाव हेतु दवाई का छिड़काव जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों से नागरिकों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से दवाई का छिड़काव कर रही है।

अभियान के तहत मच्छर उन्मूलन दल द्वारा मैलाथियान, टेमीफास एवं जला ऑयल का छिड़काव नालियों, कूलरों, शौचालयों, बाथरूमों तथा जलभराव वाले स्थानों पर किया जा रहा है। साथ ही घरों एवं सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण कर जहां भी बरसाती पानी का जमाव पाया जा रहा

है, उसे तत्काल हटाने एवं खाली कराने की कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने घरों एवं आसपास अनावश्यक जलभराव न होने दें, कूलरों का पानी नियमित रूप से बदलें तथा साफ-सफाई बनाए रखें, ताकि डेंगू एवं मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों का प्रजनन रोका जा सके।

नगर पालिक निगम भिलाई का यह अभियान आगामी दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा। निगम प्रशासन ने कहा है कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम में नागरिकों की सहभागिता भी अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी क्षेत्र में जलभराव, गंदगी अथवा मच्छरों की अधिकता दिखाई देती है, तो इसकी सूचना तत्काल नगर निगम को दें, जिससे समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बीएसपी ने 8.4 मेगावाट वेस्ट गैस फैन मोटर का इन-हाउस अनुरक्षण कर रचा कीर्तिमान

55 लाख रुपये से अधिक की संभावित लागत बची, तकनीकी आत्मनिर्भरता और परिचालन दक्षता को मिली नई मजबूती

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने तकनीकी आत्मनिर्भरता और परिचालन उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए सिंटर प्लांट-3 की 8.4 मेगावाट उच्च वोल्टेज (हाई टेंशन) सिंक्रोनस वेस्ट गैस फैन मोटर का लेवल-4 अनुरक्षण पहली बार पूर्णतः संयंत्र के आंतरिक संसाधनों (इन-हाउस) से सफलतापूर्वक संपन्न किया है।

इस कार्य के लिए बाहरी एजेंसी की सेवाएं लेने पर 55 लाख रुपये से अधिक का व्यय अनुमानित था, जबकि संयंत्र की विशेषज्ञ टीम ने इसे स्वयं निष्पादित कर उल्लेखनीय लागत बचत के साथ अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया।

अनुरक्षण कार्य के दौरान मोटर की

सफाई के लिए अत्याधुनिक क्रायोजेनिक क्लीनिंग तकनीक का उपयोग किया गया। साथ ही अनुरक्षण प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए आवश्यक विशेष अनुरक्षण उपकरण भी संयंत्र स्तर पर ही विकसित किए गए। इन नवाचारों से मोटर की कार्यक्षमता, विश्वसनीयता तथा सेवा आयु में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

अनुरक्षित एवं पुनर्स्थापित मोटर का लोकार्पण मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (मेंटेनेंस एंड यूटिलिटीज) बी. के. बेहरा ने किया। इस परियोजना का मार्गदर्शन मुख्य महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) टी. के. कृष्ण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ओर प्रोसेसिंग एंड सिंटर प्लांट-3) सजीव वर्गीज, महाप्रबंधक प्रभारी (सिंटर प्लांट-3) राहुल बिजुरकर तथा महाप्रबंधक (हेवी मैकेनिकल इंजीनियरिंग) ए. के. डे ने किया। परियोजना के सफल क्रियान्वयन में मुख्य महाप्रबंधक (प्लेट मिल) कार्तिकेय बेहरा का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

इस उपलब्धि में सिंटर प्लांट-3, हेवी मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल रिपेयरिंग सर्विसेज तथा ऑटोमेशन एंड डायग्नोस्टिक्स विभागों के अभियंताओं एवं तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने समन्वित रूप से कार्य किया। संयंत्र प्रबंधन ने इसे आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता, नवाचार आधारित अनुरक्षण प्रणाली तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसी पहलें उत्पादन की निरंतरता, उपकरणों की विश्वसनीयता तथा लागत दक्षता को और अधिक सुदृढ़ करेंगी।

मंत्री गजेंद्र यादव की पहल

दुर्ग जिले में वाणिज्यिक विवादों के निपटारे के लिए विशेष न्यायालय की होगी स्थापना

दुर्ग। जिले के उद्यमियों, व्यापारियों एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए राहत भरी खबर है। जिले से संबंधित वाणिज्यिक विवादों (Commercial Disputes) की त्वरित सुनवाई एवं शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है।

केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव की पहल से दुर्ग में वाणिज्यिक विवादों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष न्यायालय की स्थापना होगी। इसके तहत दुर्ग जिले से उत्पन्न होने वाले वाणिज्यिक मामलों की सुनवाई के लिए एक विशेष न्यायालय नामित करने की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, वर्तमान में द्वितीय सिविल जज (सीनियर डिवीजन), दुर्ग के न्यायालय में होने वाली वाणिज्यिक मामलों की सुनवाई अब चतुर्थ सिविल जज (सीनियर डिवीजन), दुर्ग के न्यायालय में की जाएगी। वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015 की धारा 3 की उपधारा (1), (1-ए), (2) एवं (3) के प्रावधानों के अंतर्गत उक्त न्यायालय को सिविल जज स्तर के विशेष वाणिज्यिक न्यायालय के रूप में नामित करते हुए अधिसूचना जारी करने की कार्यवाही की जा रही है। इस निर्णय से दुर्ग जिले के उद्यमियों, व्यापारियों एवं उद्योगों से जुड़े वाणिज्यिक विवादों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित होगा। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आने से व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा जिले के औद्योगिक एवं व्यावसायिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी।

सुपेला रावणभाठा में तोड़फोड़ पर विधायक रिकेश सेन नाराज

बोले- बरसात में बिना सूचना कार्रवाई करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला स्थित रावणभाठा क्षेत्र में नगर निगम द्वारा बुलडोजर चला कर 40 से अधिक दुकानों को हटाने की कार्रवाई के बाद वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने नाराज़गी जताई है।

विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही समाप्त होने के बाद जैसे ही उन्हें इस कार्रवाई की जानकारी मिली, उन्होंने निगम अधिकारियों के रवैये पर सवाल उठाए।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि बरसात के मौसम में इस प्रकार की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों और दुकानदारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी बड़ी कार्रवाई से पहले स्थानीय विधायक को विश्वास में लेना चाहिए था, लेकिन निगम अधिकारियों ने बिना किसी सूचना के मनमाने ढंग से कार्रवाई कर दी।

उन्होंने कहा कि यदि अतिक्रमण हटाने जैसी कार्रवाई आवश्यक भी थी, तो इसके समय और तरीके पर संवेदनशीलता बरती जानी चाहिए थी। बरसात के बीच लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित करने वाली कार्रवाई उचित नहीं कही जा सकती।

विधायक ने स्पष्ट कहा कि बिना विधायक को जानकारी दिए और जनहित की अनदेखी कर कार्रवाई करने वाले जिम्मेदार निगम अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी। जनता के हितों की रक्षा उनकी प्राथमिकता है और किसी भी अधिकारी को मनमाने तरीके से कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गौरतलब है कि नगर निगम ने रावणभाठा क्षेत्र में कथित अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए 40 से अधिक दुकानों को हटाया। बताया जा रहा है कि प्रभावित लोगों को तीन दिन पहले नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, कार्रवाई के समय को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष देखने को मिला है।

खरीफ विपणन मौसम 2026-27 हेतु केन्द्र सरकार द्वारा एमएसपी में की वृद्धि

दुर्ग। भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा खरीफविपणन मौसम 2026-27 के लिए अधिसूचित खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य वह निर्धारित कीमत जिसमें सरकार किसानों से उनकी उपज खरीदने की गारंटी देती है। इसका उद्देश्य किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाना एवं बाजार में कीमतों में गिरावट से सुरक्षा प्रदान करना है। संयुक्त संचालक कृषि, दुर्ग संभाग गोपिका गवेल ने बताया कि भारत सरकार द्वारा खरीफ की मुख्य फसल धान का एमएसपी बढ़ा कर 2441 रू. प्रति क्विंटल किया गया है। जबकि ए ग्रेड़ धान के लिये 2461 रू. प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों के समर्थन मूल्य में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है, जिससे दलहन एंव तिलहन उत्पादन बढ़ाने के साथ देश को दलहन एवं तेल उत्पादन में आत्मनिर्भता प्राप्त होगी।

चन्दूलाल चन्द्राकर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्रबंध कारिणी व स्वशासी समिति की बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के कचान्दुर स्थित चन्दूलाल चन्द्राकर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्रबंध कारिणी समिति एवं स्वशासी समिति की ग्यारहवीं बैठक बुधवार को महाविद्यालय सभा कक्ष में आयोजित की गई। दुर्ग संभाग के आयुक्त एस.एन. राठौर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह भी शामिल हुए। बैठक में महाविद्यालय की दसवीं बैठक में लिये गये निर्णय के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। साथ ही स्वाशासी समिति व प्रबंधकारी समिति की दसवीं बैठक में समिति द्वारा प्राप्त अनुमोदित सामाग्रियों का वर्ष 2026-27 में क्रय हेतु पुन: अनुमोदन लिया गया।

बैठक के एजेंडा अनुसार बालिका छात्रावास (नर्सिंग) के तृतीय एवं चतुर्थ तल के निर्माण कार्य, महाविद्यालय भवनों के दरवाजे व खिड़कियों के मरम्मत कार्य, डेस्कटॉप, प्रिंटर क्रय, एम्बामिंग मशीन (कैडेवरस इंजेक्टर) क्रय, अध्यापन कार्य हेतु एलईडी वॉल पैनल क्रय, इंटरक्टीव पैनल क्रय, लेक्चर हॉल हेतु ऑडियो सिस्टम क्रय, विभाग के प्रशासनिक खण्ड हेतु फर्नीचर क्रय, सफाई मशीन क्रय तथा स्किल लैब हेतु मैनेकिन क्रय करने का निर्णय लिया गया।

इसके अलावा चिकित्सालय भवन के समक्ष स्थित पार्किंग स्थल पर नवीन ओपीडी काम्प्लेक्स निर्माण कार्य, चिकित्सालय भवन के सामने स्थल पर मरीजों के आश्रितों हेतु सराय, रैन बसेरा एवं डेली नीड्स, मेडिकल स्टोर्स, कैंटीन एवं अन्य सुविधा हेतु सिविक एमीनिटी कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य, शासकीय फिजियोथैरेपी महाविद्यालय हेतु शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबंद्ध चिकित्सालय दुर्ग में स्थान उपलब्ध कराने, चिकित्सालय के अति महत्वपूर्ण क्षेत्र/विभाग (सेंट्रल लैब, ब्लड बैंक, जीआईसीयू इत्यादि) के लिए नवीन एयर कंडीशनर क्रय का निर्णय लिया गया। बैठक में महाविद्यालय परिसर के सामने चारों ओर बाउन्ड्रीवॉल का संधारण, लेक्चर हॉल में फायर एक्जिट निर्माण, महाविद्यालय पहुंच मार्ग मरम्मत कार्य और जलापूर्ति के संबंध में चर्चा की गई। निर्माण एजेंसी विभाग, पीडब्ल्यूडी, विद्युत एवं पीएचई विभाग के अधिकारियों को चिकित्सालय एवं महाविद्यालय में सुविधाओं के विस्तार हेतु आवश्यक विभागीय पहल करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में महाविद्यालय के प्रबंध कारिणी समिति एवं स्वाशासी समिति के सदस्य सचिव अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नगरिया, शासकीय चिकित्सालय राजनांदगांव के अधिष्ठाता डॉ. पी.एम. लूका, सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह, महाविद्यालय के कुल सचिव तथा लोक निर्माण, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं क्रेडा विभाग के अधिकारी, चिकित्सा महाविद्यालय के प्रध्यापक एवं समिति सदस्य चिकित्सक उपस्थित थे।

ओ.पी. चौधरी ने लाइव जुड़कर किया मार्गदर्शन

कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ महोत्सव संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, भिलाई इकाई ,हिन्दू जागरण समिति व स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण के शुभारंभ महोत्सव का आयोजन सी ए भवन सिविक सेंटर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी, प्रतिष्ठान संचालक एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय ओ.पी. चौधरी जी लाइव माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि किसी भी संस्था या व्यापार की वास्तविक शक्ति उसके कर्मकार होते हैं। यदि कर्मचारियों का

व्यक्तित्व, कौशल एवं कार्य संस्कृति विकसित होती है, तो व्यापार स्वत: नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है। उन्होंने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए इसे व्यापारी समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि सुभाष अग्रवाल (प्रदेश संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ) ने अपने उदबोधन में कहा कि ग्राहक व्यवहार, सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, टीम वर्क, कार्य के प्रति जिम्मेदारी, व्यक्तित्व विकास एवं व्यावसायिक अनुशासन पर विस्तार यही प्रशिक्षण शिविर का मुख्य और सही उद्देश्य है। भिलाई चेम्बर का साधुवाद करता हुं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मकारों एवं स्टाफ के व्यक्तित्व, व्यवहार, कार्यकुशलता, संवाद कौशल एवं ग्राहक सेवा क्षमता का विकास करना है।

महामंत्री अजय भसीन ने उपस्थित व्यापारियों को प्रशिक्षण शिविर की रूपरेखा, उद्देश्य एवं इससे होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षित एवं प्रेरित कर्मचारी किसी भी प्रतिष्ठान की सफलता की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।

सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों को इस प्रशिक्षण शिविर में भेजने का आग्रह किया, ताकि कुशल, संस्कारित एवं जिम्मेदार कर्मकारों के माध्यम से व्यापार और सेवा की गुणवत्ता को नई दिशा मिल सके।

गार्गी शंकर मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मकारों एवं स्टाफ के व्यक्तित्व, व्यवहार, कार्यकुशलता, संवाद कौशल एवं ग्राहक सेवा क्षमता का विकास करना है। उपस्थित व्यापारियों को प्रशिक्षण शिविर की रूपरेखा, उद्देश्य एवं इससे होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभिजीत अरविंद पोलके जी जिला सह समन्वयक हिन्दू जनजागृति समिति ने स्वभाव दोष पर अपनी बात रखी । भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के नवीन पदाधिकारीयो का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से बंसी अग्रवाल, उद्योग चेम्बर अध्यक्ष जे पी गुप्ता, सी ए चेयरमैन सुखदेव राठी ,महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कनोजे,दिनेश पाटिल ,सिंधी साहित्य अकादमी की प्रदेश अध्यक्ष सुषमा जेठानी,स्वीटी कौशिक,अखराज ओस्तवाल,भूपेंद्र नेमा,कमल बिस्वाल,सरोजनी पाणिग्रही, गीता वर्मा,टीना सातपुते,दर्शन ठकवानी व अनेक चेम्बर के पदाधिकारी व अनेक संस्थान व समाज के प्रमुख उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

सामान्य भविष्य निधि लेखा 2025-26 प्रधान महालेखाकार की वेबसाइट पर उपलब्ध

रायपुर। उप महालेखाकार पेंशन एवं निधि रायपुर ने सामान्य भविष्य निधि के वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक लेखा जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि सभी अभिदातागण अपनी भविष्य निधि की वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक लेखा पर्ची राज्य शासन से प्राप्त आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। उप महालेखाकार पेंशन एवं निधि रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों व अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के सामान्य भविष्य निधि वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक लेखा पर्ची कार्यालय प्रधान महालेखाकार छत्तीसगढ़ रायपुर की विभागीय वेबसाइट http// cag.gov. in/ae/chhattisgarh/en एवं राज्य शासन की वेबसाइट **e-Kosh www.treasury.cg.nic.in** पर अपलोड कर दिया गया है, इसे डाउनलोड कर अवलोकन किया जा सकता है। इसके अलावा वार्षिक लेखा विवरण 2025-26 डीजीलाकर्स प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध कराया गया है।

छत्तीसगढ़ में कोनोकार्पस के नए पौधरोपण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य में कोनोकार्पस प्रजाति के नए वृक्षारोपण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में आवास एवं पर्यावरण विभाग ने 6 जुलाई 2026 को अधिसूचना जारी की, जिसका प्रकाशन 7 जुलाई 2026 के छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में किया गया। अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिया गया है। राज्य सरकार ने कहा है कि कोनोकार्पस एक आक्रामक विदेशी वनस्पति प्रजाति है, जिससे स्थानीय जैव विविधता, निर्णय का आधार माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में गठित केंद्रीय सशक्त समिति द्वारा 21 अगस्त 2025 को प्रस्तुत प्रतिवेदन है।

बेमेतरा में खुलेगी आधुनिक खुली जेल, अधिसूचना जारी

रायपुर । राज्य सरकार ने जेल सुधार एवं बंदियों के पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल करते हुए जिला बेमेतरा के ग्राम पथर्रा में खुली जेल की स्थापना का आदेश जारी कर दिया है। उप मुख्यमंत्री एवं जेल मंत्री विजय शर्मा के अनुमोदन के पश्चात आज जेल विभाग द्वारा अधिसूचना जारी की गई। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि जेल विभाग अपनी मूल अवधारणा के अनुरूप बंदियों के सुधार, पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करेगा। महानिदेशक जेल हिमांशु गुप्ता ने बताया कि बेमेतरा स्थित खुली जेल का मुख्य उद्देश्य बंदियों का पुन: सामाजिक समावेशन, मानवाधिकारों की रक्षा तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। यह पहल भारतीय न्याय व्यवस्था की उस सोच को साकार करेगी, जिसमें सजा के साथ-साथ अपराधी के सुधार और पुनर्वास को भी समान महत्व दिया गया है। ग्राम पथर्रा में 10.20 हेक्टेयर भूमि पर लगभग 200 बंदियों की आवास क्षमता वाली आधुनिक खुली जेल विकसित की गई है।

केंद्र के ऐतिहासिक निर्णयों से छत्तीसगढ़ को मिलेगा औद्योगिक और कृषि विकास का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सेमिकॉन 2.0, राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 तथा मोबाइल फोन विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को स्वीकृति दिए जाने का स्वागत करते हुए इसे विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय बताया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज आत्मनिर्भरता, नवाचार और अत्याधुनिक विनिर्माण के नए युग की ओर तेजी से अग्रसर है। केंद्र सरकार के ये तीनों महत्वपूर्ण निर्णय देश की औद्योगिक क्षमता, कृषि सुरक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले सिद्ध होंगे। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्रिमंडल के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ?1,27,500 करोड़ की सेमिकॉन 2.0 योजना देश में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए विश्वस्तरीय पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भी नई औद्योगिक नीति, बेहतर अधोसंरचना, निवेश अनुकूल वातावरण और कौशल विकास के माध्यम से उच्च तकनीक आधारित उद्योगों के लिए तेजी से उभरता हुआ गंतव्य बन रहा है। इस प्रकार की राष्ट्रीय पहल से राज्य में भी निवेश और रोजगार की नई संभावनाएं विकसित होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 देश में उर्वरकों की उपलब्धता को सुदृढ़ करेगी तथा किसानों को समय पर आवश्यक उर्वरक उपलब्ध कराने में सहायक होगी। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों को मिलेगा और कृषि उत्पादन को नई मजबूती प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र की आत्मनिर्भरता के लिए केंद्र और राज्य सरकार निरंतर समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ?62,500 करोड़ की मोबाइल फोन विनिर्माण प्रोत्साहन योजना (स्क्रब्स) भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और निर्यात के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे भारतीय ब्रांडों, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा स्थानीय विनिर्माण को व्यापक प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी औद्योगिक निवेश, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी तथा उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए जा रहे ऐसे दूरदर्शी निर्णय विकसित भारत के साथ-साथ विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को भी नई गति प्रदान करेंगे। नवाचार, निवेश, तकनीकी आत्मनिर्भरता, आधुनिक विनिर्माण और कृषि सशक्तिकरण पर आधारित यह विकास मॉडल आने वाले वर्षों में देश और प्रदेश दोनों की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एचएनएलयू रायपुर ने बैंकॉक में रचा इतिहास

वैश्विक नवाचार और अनुसंधान के लिए 20 अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ किया महा-समझौता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय रायपुर ने वैश्विक शैक्षणिक पटल पर राज्य का गौरव बढ़ाते हुए एक बड़ी रणनीतिक उपलब्धि हासिल की है। थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान, एचएनएलयू ने वैश्विक विश्वविद्यालय नवाचार एवं सहयोग के लिए एक ऐतिहासिक बहुपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस ऐतिहासिक समझौते पर दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और संयुक्त अरब अमीरात के 20 अग्रणी और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम उच्च शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और सतत विकास के क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में भारत की ओर से एक बेहद महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

यह समझौता 9-10 जुलाई 2026 को बैंकॉक स्थित प्रसिद्ध आईकॉनसियाम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित **AUAP - WURI** इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुआ। इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य विषय सरकार के साथ साझेदारी में विश्वविद्यालय नवाचार-नीति, तंत्र और प्रभाव था, जिसमें दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के प्रमुखों, नीति-निर्माताओं, नवाचार विशेषज्ञों और जाने-माने शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. विवेकानन्दन ने प्रस्तुत किया **R-HaS** मॉडल शिखर सम्मेलन में एचएनएलयू का प्रतिनिधित्व करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानन्दन ने विश्वविद्यालय के अभिनव रिसर्च हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित एक केस स्टडी प्रस्तुत की। इस प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने एचएनएलयू के अंतर्विषयी अनुसंधान तंत्र, बाह्य वित्तपोषित शोध परियोजनाओं तथा समाज के प्रति जवाबदेह एवं प्रभावकारी अनुसंधान के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को वैश्विक मंच पर रेखांकित किया, जिसकी उपस्थित विशेषज्ञों ने काफी सराहना की।

इस रणनीतिक कामयाबी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. विवेकानन्दन ने कहा कि एचएनएलयू क्षेत्रीय और वैश्विक विश्वविद्यालय संगठनों के साथ सार्थक सहभागिता के माध्यम से अपनी अनुसंधान पहलों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित और प्रसारित करने की दिशा में प्रभावशाली प्रगति कर रहा है। यह बहुपक्षीय समझौता हमारे अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को विस्तार देने की दिशा में एक मील का पत्थर है। सम्मेलन के दौरान **AUAP** के महासचिव प्रो. डॉ. अनूप स्वरूप तथा कार्यकारी सचिव डॉ. सुपापोर्न चुआंगचिद के साथ संयुक्त सम्मेलन, अनुसंधान परियोजनाओं, संकाय (फैकल्टी) व छात्र विनिमय (एक्सचेंज) कार्यक्रमों पर भी बेहद सार्थक चर्चा हुई है।

(एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक): यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एक बेहद प्रतिष्ठित और पुराना विश्वविद्यालय संगठन है। इसका मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों को एक मंच पर लाकर शैक्षणिक सहयोग, नेतृत्व विकास और उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देना है।

(वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स फॉर इनोवेशन) यह एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्रणाली है जो विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन सिर्फ पारंपरिक किताबी या शोध मानकों पर नहीं, बल्कि वास्तविक सामाजिक प्रभाव, उद्योग सहयोग, उद्यमिता और नैतिक नेतृत्व जैसे नवाचारों के आधार पर करती है।

एचएनएलयू अपने दूरदर्शी नेतृत्व के कारण इस रैंकिंग में लगातार अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा है। हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय रायपुर देश के अग्रणी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में गिना जाता है। अपने विशिष्ट R-HaS मॉडल, अनुभवात्मक अधिगम (एक्सपेरिमेंटल लर्निंग) और लोकनीति-उन्मुख अनुसंधान के दम पर यह संस्थान विधि शिक्षा के भविष्य को वैश्विक स्तर पर आकार देने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

समझौते के तहत इन क्षेत्रों में होगा साझा काम

बहुपक्षीय समझौता ज्ञापन के अनुच्छेद-3 के तहत सभी 20 सहभागी संस्थान भविष्य में मिलकर काम करेंगे। आपसी सहयोग से वैश्विक महत्व की नवाचार व शोध परियोजनाओं का संचालन, संकाय, शोधार्थियों और छात्रों के लिए विनिमय कार्यक्रम,नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का विकास और स्टार्टअप को बढ़ावा देना और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों, कार्यशालाओं और केस स्टडीज का विकास करना शामिल है।

जल जीवन मिशन से सरगुजा के ग्राम बरडीह में बदली ग्रामीणों की जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बरडीह में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। अब गांव के सभी 431 परिवारों को घर-घर नल के माध्यम से नियमित रूप से शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हुआ है।

जिला मुख्यालय अंबिकापुर से लगभग 37 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम बरडीह में पहले महिलाओं और बच्चों को पेयजल के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। पानी लाने में काफी समय और श्रम लगता था तथा स्वच्छ पेयजल के अभाव में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बनी रहती थीं। जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक घर तक पाइपलाइन बिछाकर घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे अब ग्रामीणों को घर पर ही स्वच्छ पेयजल मिल रहा है।

ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रजमेन सिंह ने बताया कि जल जीवन मिशन से गांव की सबसे बड़ी समस्या का समाधान हुआ है। घर-घर नल कनेक्शन मिलने से महिलाओं को विशेष राहत मिली है और अब वे अपने समय का उपयोग परिवार, बच्चों की शिक्षा तथा अन्य उत्पादक कार्यों में कर पा रही हैं।

शुद्ध पेयजल की नियमित उपलब्धता से गांव में जलजनित बीमारियों में कमी आई है तथा स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीणों को समय-समय पर जल संरक्षण, सुरक्षित पेयजल के उपयोग और स्वच्छता संबंधी जानकारी भी दी जा रही है, जिससे जल स्रोतों के संरक्षण और सतत उपयोग की भावना को भी बढ़ावा मिल रहा है।

ग्राम बरडीह के ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन को अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली योजना बताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने से उनका जीवन अधिक सहज, सुरक्षित और सुविधाजनक हो गया है तथा गांव में खुशहाली और बेहतर स्वास्थ्य का वातावरण विकसित हुआ है।

शासन की योजनाओं का हो प्रभावी क्रियान्वयन अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे लाभ- संतोष पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद संतोष पाण्डेय की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष कवर्धा में जिला स्तरीय जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं समिति सदस्यों की उपस्थिति में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा की गई। सांसद पाण्डेय ने कहा कि कबीरधाम जिले के समग्र विकास में दिशा समिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

समिति की बैठक के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा होती है, जिससे उनके प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सभी अधिकारी पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य करें। शासन की योजनाएं धरातल पर प्रभावी रूप से लागू हों और अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुंचे। यही सभी का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैठक में केंद्र सरकार की योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई है। समिति की सार्थकता तभी है जब अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रगति की नियमित निगरानी एवं समन्वय के साथ समीक्षा हो। उन्होंने बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सुरक्षित बचपन, सशक्त भविष्य के लिए छत्तीसगढ़ में जागरूकता अभियान तेज

बाल संरक्षण को लेकर राज्यभर में संवेदनशील और सुरक्षित वातावरण बनाने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बच्चों के सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त बचपन के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला प्रशासन के समन्वय से प्रदेश के विभिन्न जिलों में बाल संरक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और किशोर-किशोरियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना है।

इसी कड़ी में बलरामपुर जिले में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोधा एवं शासकीय उच्चतर कन्या विद्यालय कछिया में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, गुड टच-बैड टच, बाल सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, नशामुक्ति, बाल विवाह, बाल श्रम तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि सुरक्षित बचपन प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। यदि किसी भी प्रकार की असहज, अनुचित या शोषण की स्थिति का सामना करना पड़े तो वे बिना किसी भय या संकोच के अपने माता-पिता, शिक्षकों अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की सहायता लें। बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श की पहचान, आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने तथा समय पर शिकायत करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों के बारे में जागरूक करते हुए इनके कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता और जीवन कौशल से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी संवाद किया गया।

राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक बाल संरक्षण संबंधी जानकारी पहुंचाना, उन्हें आत्मविश्वासी बनाना तथा विद्यालयों और समुदायों में सुरक्षित एवं संवेदनशील वातावरण विकसित करना है। ऐसे जनजागरूकता अभियान बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाने के साथ-साथ सुरक्षित बचपन और सशक्त भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

तिलक लगाकर किया स्वागत, छात्राओं को मिली साइकिल, बच्चों को बांटे गए बैग, पुस्तकें और गणवेश

सुकमा के छात्र नीट और आईआईटी में बना रहे पहचान, बदल रही जिले की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत उत्साह और उमंग के साथ हुई। सुकमा जिले में शबरी ऑडिटोरियम में आयोजित जिलास्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी ने की।

इस अवसर पर शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई। सुकमा के सुदूर क्षेत्रों के विद्यार्थी भी अब अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर नीट और आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज सुकमा तेजी से बदल रहा है और शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता का सपना है कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ें और समाज तथा देश की सेवा करें।

कार्यक्रम में सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं तक की 30 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलें वितरित की गईं। वहीं प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले बच्चों को स्कूल बैग, पाठ्यपुस्तकें, गणवेश और आवश्यक स्टेशनरी सामग्री प्रदान की गई, ताकि संसाधनों की कमी उनकी पढ़ाई में बाधा न बने। इस अवसर पर कबाड़ से जुगाड़ विषय पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा देखने को मिली।

कलेक्टर सुकमा अमित कुमार ने कहा कि सुकमा के दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थी भी अब अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर नीट और आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए नि:शुल्क कोचिंग, आधुनिक पुस्तकालय और अन्य शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

कार्यक्रम के अंत में जिला प्रशासन की ओर से मुख्य अतिथि रूप सिंह मंडावी का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. मंडावी ने आभार व्यक्त करते हुए जिले में शिक्षा से जुड़ी सभी शासकीय योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मंगम्मा सोयम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष महेश कुंजाम, नगर पालिका अध्यक्ष हूंगाराम मरकाम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

तलाक के 12 साल बाद फिर दुल्हन बन सकती हैं जेनिफर विंगेट?

दावा - गुरुवार को यूके में होगी शादी

जेनिफर विंगेट कल यानी गुरुवार को शादी करने वाली हैं। उनकी शादी उनके पार्टनर विलियम इश्माएल से होने वाली है। अभिनेत्री की शादी पहले करण सिंह ग्रोवर के साथ हुई थी।

जेनिफर विंगेट अपनी पर्सनल लाइफ में एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस गुरुवार को यूनाइटेड किंगडम में एक प्राइवेट सेरेमनी में विलियम इश्माएल के साथ शादी करेंगी। बताया जाता है कि यह एक प्राइवेट इवेंट होगा जिसमें सिर्फ परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे।

विलियम इश्माएल कर रही थीं डेट

जेनिफर विंगेट कल यानी गुरुवार को यूनाइटेड किंगडम में विलियम इश्माएल के साथ शादी करेंगे। काफी समय से जेनिफर और विलियम इश्माएल के डेटिंग की खबरें आ रही थीं।

करण सिंह ग्रोवर से अलग हुईं अभिनेत्री

जेनिफर विंगेट की पर्सनल लाइफ अक्सर चर्चा में रही है। एक्ट्रेस ने कुछ साल तक डेटिंग करने के बाद 9 अप्रैल, 2012 को अपने 'दिल मिल गए' के को-स्टार करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी। हालांकि, उनकी शादी दो साल के अंदर ही खत्म हो गई और 2014 में वे अलग हो गए।

अभिनेत्री ने किया करियर पर फोकस

इसके बाद से जेनिफर अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करने से काफी हद तक दूर रही हैं। इन वर्षों में जेनिफर ने कई शो में काम किया है। इनमें 'कसौटी जिंदगी की', 'सरस्वतीचंद्र', 'बेहद', 'बेपनाह' और 'दिल मिल गए' शामिल हैं। उन्हें 'बेहद' में माया मेहरोत्रा के रोल को काफी तारीफ मिली।

जेनिफर विंगेट का वर्कफ्रंट

जेनिफर ने 'कोड एम' और 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ ओटीटी स्पेस में कदम रखा है। उन्होंने एक बहुमुखी कलाकार के तौर पर अपनी पहचान और मजबूत की है। वह जल्द ही परिणीति चोपड़ा के साथ 'तलाश: अ मदर्स सर्च' नाम के एक और डिजिटल प्रोजेक्ट में नजर आएंगी।

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला दोबारा नहीं करेंगी शादी

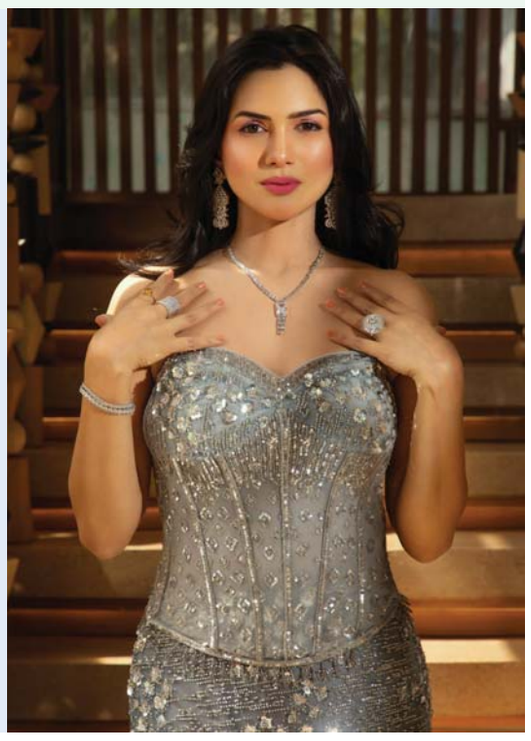

अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक और खुद के बायसेक्शुअल होने की चर्चाओं के बाद अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने कहा है कि वह दोबारा शादी नहीं करेंगी। फराह खान और रितेश देशमुख के होस्ट किए जाने वाले नेटफ्लिक्स शो लॉक अप: सच या सजा के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल में दिल की बातें करती नजर आईं।

आकांक्षा ने पामेला से कहा कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र 24 साल थी। इस पर पामेला ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है।

आकांक्षा ने जवाब दिया, नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की ज़िंदगी अकेले ही बिताऊंगी।

फिलहाल शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आ रहे हैं।

लॉकअप का पहला सीजन साल 2022 में आया था, जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था। पूरे सीजन में करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। इस सीजन के विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे।

लॉकअप के दूसरे सीजन में 6 हफ्तों तक 14 कैदी, दो जेलर और एक लॉक-अप होगा। शो के नियमों के मुताबिक, कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमानी होगी।

पिछले हफ्ते जजमेंट डे के दौरान आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह बायसेक्शुअल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गौरव से शादी से पहले उनके महिलाओं के साथ रिश्ते रह चुके हैं।

इस बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा चमोला ने कहा, मैं शादी से पहले उभयलिंगी थी। मेरे रिश्ते कुछ लड़कियों के साथ हैं। बहुत ज्यादा अंतरंग संबंध नहीं रह रहे हैं लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ संबंधों में रही हूं।

उन्होंने बताया कि उन्हें महिलाओं के साथ ज्यादा सहज महसूस होता है और उनकी संगति में वह खुद को बेहतर महसूस करती हैं।

लाल जोड़े में मोनालिसा ने ढाया कहर, बोल्ड ब्राइडल फोटोशूट ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

भोजपुरी क्वीन और टेलीविजन स्टार मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बेहद हॉट और दिलकश ब्राइडल फोटोशूट शेयर किया है। सुर्ख लाल रंग के पारंपरिक लहंगे और डीप-नेक ब्लाउज में वह किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। हेवी कुंदन ज्वेलरी, नथ और मांगटीके के साथ उनके कातिलाना फेशियल एक्सप्रेशन्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है। इंटरनेट पर उनका यह बोल्ड ब्राइडल लुक तेजी से ट्रेंड कर रहा है।

भोजपुरी से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक अपनी पहचान बना चुकी मोनालिसा अक्सर अपनी बोल्ड अदाओं से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। मोनालिसा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पारंपरिक दुल्हन के अवतार में अपनी कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं।

तस्वीरों में मोनालिसा का ग्लैमर और देसी अंदाज इस कदर निखर कर आ रहा है कि देखने वाले अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। मोनालिसा ने इस फोटोशूट के लिए एक शाही लाल रंग का ब्राइडल लहंगा चुना है।

मोनालिसा ने लहंगे के साथ मैचिंग डीप-नेकलाइन सिल्क ब्लाउज कैरी किया है, जिसपर गोल्डन जरी और फ्लोरल कढ़ाई का बारीक काम किया गया है। इसके साथ उन्होंने सिर पर लाल रंग का नेट दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर सुनहरी बूटी और हैवी गोटा-पट्टी बॉर्डर है।

तस्वीरों में मोनालिसा की अदाएं और उनके सेक्सी पोज फैंस के दिलों पर छुरियां चला रहे हैं। कुछ तस्वीरों में वह शर्माती हुई नीचे की ओर देख रही हैं, तो कुछ में वह कैमरे की तरफ देखकर अपनी कातिल मुस्कान बिखेर रही हैं।

अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए मोनालिसा ने परफेक्ट ग्लैम ब्राइडल मेकअप चुना है। स्मोकी आइज, विंग्ड आईलाइनर और मस्कारा के साथ उनकी आंखें बेहद नशीली लग रही हैं। डार्क रेड लिपस्टिक उनके पूरे चेहरे को ग्लोइंग बना रही है।

ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल ब्राइडल लुक को पूरा करने के लिए हैवी कुंदन और गोल्ड ज्वेलरी कैरी की है। उनके माथे पर सजी खूबसूरत शीशपट्टी और मांगटीका, कानों में बड़े झुमके, गले में मैचिंग हेवी चोकर नेकलेस और लेयर्ड रानी हार उनके रॉयल लुक को निखर रहे हैं।

निक जोनस को प्रियंका चोपड़ा से ज्यादा पता हैं बॉलीवुड के राज....

बोलीं- 'उन्हें ऐसी बातें पता हैं जो मुझे भी...'

बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों से सभी का दिल जीत चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक मजेदार खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उनके पति और अमेरिकी सिंगर निक जोनस को बॉलीवुड की गपशप में काफी दिलचस्पी है।

प्रियंका का खुलासा

जोनस ब्रदर्स के एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान प्रियंका ने बताया कि निक उनके लिए बॉलीवुड की खबरों का सबसे भरोसेमंद जरिया बन चुके हैं। प्रियंका के मुताबिक, बॉलीवुड में किसका क्या चल रहा है, इसकी जानकारी निक को उनसे भी ज्यादा रहती है।

प्रियंका ने सुनाया एक दिलचस्प किस्सा

इस दौरान प्रियंका ने एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए बताया, 'कभी-कभी जब मैं किसी सेलिब्रिटी को मैसेज करके कहती हूं कि 'अपने पार्टनर को मेरा प्यार देना', तो निक मुझे टोकते हैं और कहते हैं कि 'नहीं, उन दोनों का तो ब्रेकअप हो चुका है।' तब मुझे सच पता चलता है।'

जब निक के भाई केविन ने उनसे पूछा कि उन्हें ये सब कैसे पता चलता है, तो निक ने हंसते हुए कहा कि वह चुपके से सोशल मीडिया पर कुछ बॉलीवुड गॉसिप पेजों को फॉलो करते हैं, लेकिन वह उन पेजों का नाम नहीं बताएंगे। निक का मानना है कि बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की कहानियां लगातार बदलती रहती हैं, इसलिए उन्हें पढ़ना काफी दिलचस्प लगता है।

प्रियंका और निक की जोड़ी

प्रियंका और निक की लव स्टोरी साल 2016 में सोशल मीडिया पर एक मैसेज से शुरू हुई थी। इसके बाद 2017 में दोनों पहली बार 'मेट गाला' इवेंट में एक साथ नजर आए। 2018 में दोनों ने डेटिंग शुरू की और इसी साल हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों से बेहद धूमधाम से शादी कर ली। 2022 जनवरी में उनके घर एक प्यारी बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा है।

संगीत से बढ़ सकती है आपकी उत्पादकता, जानिए यह कैसे है मददगार

संगीत हमारे जीवन का अहम हिस्सा है, जो केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं है। यह न केवल हमें आनंदित करता है, बल्कि हमारी उत्पादकता को भी बढ़ा सकता है। सही प्रकार का संगीत सुनने से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। आज हम जानेंगे कि कैसे संगीत हमारी उत्पादकता को बढ़ा सकता है और किन तरीकों से इसे अपने जीवन में शामिल किया जा सकता है।

काम करते समय सही धुन चुनें

काम करते समय सही धुन चुनना बहुत जरूरी है। धीमी और शांत धुन, जैसे शास्त्रीय या हल्के संगीत आपके दिमाग को शांत करते हैं और आपको अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं।

तेज और ऊर्जा से भरपूर धुन आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे आप अधिक उत्साहित महसूस करते हैं। इस प्रकार की धुन आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

ध्यान लगाएं

ध्यान लगाने के लिए भी संगीत का उपयोग किया जा सकता है। कुछ विशेष प्रकार की धुनें, जैसे ध्यान संगीत या तरंग थेरेपी आपके मन को शांत करती हैं और ध्यान लगाने में मदद करती हैं।

इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अधिक फोकस होकर काम कर पाते हैं।

इस प्रकार की धुन सुनने से आपके दिमाग की क्षमता बढ़ती है और आप अपने कार्यों में अधिक समर्पण और ध्यान लगा पाते हैं।

तनाव कम करें

संगीत सुनने से तनाव कम करने में भी मदद मिलती है। जब आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों तो कुछ मिनट के लिए आरामदायक धुन सुनना आपके मनोबल को बढ़ा सकता है और आपको शांत महसूस करवा सकता है।

इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से कर पाते हैं। यह तरीका न केवल आपको मानसिक शांति देता है, बल्कि आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

रचनात्मकता बढ़ाएं

रचनात्मक कार्यों के लिए भी संगीत बहुत अहम होता है। अगर आप कोई रचनात्मक कार्य कर रहे हों, जैसे कि लेखन, चित्रकारी या संगीत रचना आदि तो बैकग्राउंड में संगीत सुनने से आपकी रचनात्मकता बढ़ती है और नए विचार आते रहते हैं।

इससे आपका काम ज्यादा आसानी से हो जाता है। सही प्रकार की धुन आपके मनोबल को बढ़ाती है और आपको प्रेरित करती है, जिससे आप अपने कार्य में पूरी तरह से डूब जाते हैं।

विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में कदमः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने और विज्ञान आधारित शिक्षा को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा परिसर से 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' के अंतर्गत संचालित नि:शुल्क मोबाइल इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अत्याधुनिक मोबाइल लैब पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों तक पहुँचकर विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग, कोडिंग, इंटरनेट ऑफथिंग्स एयरोमॉडलिंग तथा ऑगमेंटेड एवं वर्चुअल रियलिटी जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी आधुनिक विज्ञान और तकनीक की मुख्यधारा से जुड़ें। उन्होंने कहा कि 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' केवल एक मोबाइल लैब नहीं, बल्कि ग्रामीण विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने वाली अभिनव पहल है। यह बच्चों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार, आत्मविश्वास और तकनीकी दक्षता विकसित करने का प्रभावी माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज पूरी दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन, डेटा साइंस और डिजिटल तकनीकों की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे समय में यह आवश्यक है कि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को भी इन उभरती हुई तकनीकों का ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि अवसरों में किसी प्रकार की असमानता न रहे और गाँव का बच्चा भी भविष्य की तकनीकों में उतना ही सक्षम बने जितना किसी महानगर का विद्यार्थी होता है।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य भी विद्यार्थियों में कौशल, नवाचार, प्रयोगधर्मिता और रचनात्मक सोच का विकास करना है। यह मोबाइल लैब उसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जो बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग करना ही नहीं सिखाएगी, बल्कि उन्हें नई तकनीकों के निर्माण और नवाचार की दिशा में भी प्रेरित करेगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है तथा बच्चों को समय के साथ नई तकनीकों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' जैसी अभिनव पहल ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी वही अवसर उपलब्ध कराएगी, जो बड़े शहरों के विद्यार्थियों को मिलते हैं। इससे बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ेगी, नवाचार की सोच विकसित होगी और वे आधुनिक तकनीकों को समझने के साथ उनका व्यावहारिक उपयोग भी सीख सकेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मोबाइल लैब के माध्यम से विद्यार्थी केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि स्वयं ड्रोन उड़ाने, रोबोट संचालित करने, 3डी मॉडल तैयार करने और आधुनिक उपकरणों पर कार्य करने का अनुभव प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीण प्रतिभाओं को नई दिशा देने के साथ-साथ भविष्य के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों की मजबूत नींव तैयार करेगी।

उन्होंने पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, नवाचार और युवा प्रतिभाओं के विकास के लिए निरंतर नए प्रयास कर रही हैं। यह मोबाइल साइंस लैब भी उनकी दूरदर्शी सोच और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है, जो आने वाले समय में हजारों विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी।

एक वर्ष में पाँच हजार से अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचेगी तकनीकी शिक्षा

उल्लेखनीय है कि यह मोबाइल इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों तथा सरस्वती शिशु मंदिरों में जाकर प्रशिक्षण प्रदान करेगी। पाँच अनुभवी प्रशिक्षकों की टीम प्रत्येक विद्यालय में तीन से पाँच दिनों की कार्यशाला आयोजित करेगी, जिसमें विद्यार्थियों को AI, रोबोटिक्स, ड्रोन एवं एयरोमॉडलिंग, 3डी प्रिंटिंग, कोडिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स तथा AR/VR जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत पहले वर्ष में पाँच हजार से अधिक विद्यार्थियों तक तकनीकी शिक्षा पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम चरण में कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि आगामी चरणों में अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

इस मोबाइल लैब की सबसे बड़ी विशेषता इसकी हैंड्स-ऑन लर्निंग पद्धति है। विद्यार्थी स्वयं ड्रोन उड़ाना, रोबोट संचालित करना, कोडिंग करना, 3डी मॉडल तैयार करना तथा और AR/VR जैसी तकनीकों का वास्तविक अनुभव प्राप्त करेंगे। इससे उनमें तकनीकी समझ, रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता और नवाचार की भावना का विकास होगा। कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मोबाइल लैब में स्थापित फीडबैक बोर्ड पर अपने विचार भी लिखे और इस अभिनव पहल की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

मोबाइल लैब की तकनीकी सुविधाओं का किया अवलोकन

कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मोबाइल इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब का अवलोकन किया। प्रशिक्षकों ने उन्हें लैब में उपलब्ध विभिन्न उपकरणों, प्रशिक्षण मॉड्यूल और शिक्षण प्रणाली की विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने विशेष रुचि लेते हुए एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन और अन्य तकनीकी उपकरणों का स्वयं निरीक्षण किया तथा यह जाना कि विद्यार्थी किस प्रकार इन तकनीकों को व्यवहारिक रूप से सीखेंगे। उन्होंने इसे ग्रामीण प्रतिभाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने वाला अभिनव और प्रेरणादायी प्रयास बताया। उन्होंने लैब में प्रदर्शित विभिन्न तकनीकी मॉड्यूल का अवलोकन करते हुए प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण प्रक्रिया की जानकारी ली और बच्चों को मिलने वाले व्यावहारिक अनुभव की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रयोग आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में सीखने की रुचि और आत्मविश्वास दोनों को बढ़ाती है।

जांजगीर में 17 जुलाई को रोजगार मेला, 820 पदों पर होगी भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, जांजगीर-चांपा द्वारा 17 जुलाई 2026 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), कुलीपोटा, जांजगीर में आयोजित होगा।

रोजगार अधिकारी ने बताया कि मेले में परिश्रम रिसोर्सेज प्रा. लि. (गुरुग्राम), चौतन्य इंडिया फाइनेंस प्रा. लि. (रायगढ़) और एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस (जशपुर) सहित प्रतिष्ठित निजी कंपनियां भाग लेंगी।

कुल 820 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें मीटर इंस्टॉलेशन के 200, पिकर एवं पैकर के 500, फील्ड ऑफिसर के 20 और सिक्योरिटी गार्ड के 100 पद शामिल हैं। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं और आईटीआई निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 15 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह तक वेतन मिलेगा। आयु सीमा 18 से 45 वर्ष तय की गई है तथा चयनित उम्मीदवारों का कार्यक्षेत्र जांजगीर-चांपा सहित प्रदेश के विभिन्न जिले होंगे।

रोजगार मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से मूल एवं छायाप्रति शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, रोजगार पंजीयन कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाने की अपील की गई है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, जांजगीर-चांपा से संपर्क किया जा सकता है।

केंद्रीय टीम ने वीबी जी राम जी के कार्यों का कबीरधाम में किया निरीक्षण

ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने आंगनबाड़ी भवन, डबरी निर्माण सहित आजीविका के अन्य कार्यों को देखकर की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव (वित्त) पी.के.शर्मा तथा अवर सचिव राहुल कुमार श्रीवास्तव ने विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को देखने दो दिवसीय प्रवास पर कबीरधाम जिले में पहुँच कर निर्माण कार्यों का मंगलवार को निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने विकसित भारत जी राम जी योजना के कार्यों की प्रगति एवं अन्य आवश्यक तैयारियों से केन्द्रीय टीम को अवगत कराया।

केंद्रीय टीम द्वारा योजना से जुड़े सभी मैदानी कर्मचारियों की बैठक लेकर योजना के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। गांव की आवश्यकता अनुसार निर्माण कार्यों

की पहचान में ग्रामीणों की भूमिका, कार्य स्वीकृति की प्रक्रिया, युक्त धारा पोर्टल में कार्यों की एंट्री, काम की मांग, एनएमएमएस द्वारा ऑनलाइन हाजिरी, समय सीमा में मजदूरी भुगतान की जानकारी, 125 दिनो के रोजगार हेतु ग्रामीणों की मांग पर नए कार्यों की स्वीकृति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर जानकारी ली गई।

सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी ग्राम पंचायतों के लिए पर्याप्त कार्य की स्वीकृत करते हुए रोजगार की मांग अनुसार निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहे हैं। साथ ही बताया गया कि योजना अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार देने के मामले में पूर्व की भांति कबीरधाम जिला प्रदेश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। जिस पर केंद्रीय टीम द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रवास के दौरान केंद्रीय टीम के अधिकारियों ने ग्राम पंचायत रेंगाखारखुर्द में पहुंच कर आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण किया। कार्य की गुणवत्ता, मजदूरी भुगतान, मानव दिवस एवं कार्य से ग्रामीणों को हो रहे लाभ की जानकारी ली गई। ग्राम पंचायत चिखली के तालाब में चल रहे मछली पालन की आजीविका गतिविधियों का अवलोकन कर हितग्राही से हो रहे लाभ की जानकारी ली।

ग्राम पंचायत पोड़ी में सामुदायिक बोरवेल रिचार्ज पिट के कार्य का निरीक्षण कर जानकारी ली गई। ग्राम पोड़ी निवासी हितग्राही रामभजन पिता लतेल के लिए बनाए गए निजी आजीविका डबरी का निरीक्षण किया गया। डबरी की उपयोगिता पर हितग्राही से जानकारी ली गई। हितग्राही द्वारा बताया गया कि डबरी निर्माण से सिंचाई सुविधा का विस्तार हुआ है तथा मत्स्य पालन से आजीविका का नया साधन मिला है।

प्लांटेशन ड्राइव के तहत बड़े कनेरा में आयल पाम पौधरोपण का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। केन्द्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ-ऑयल पाम) के अंतर्गत प्रदेशभर में संचालित प्लांटेशन ड्राइव कार्यक्रम के तहत उद्यानिकी विभाग द्वारा विकासखंड कोण्डागांव के ग्राम बड़े कनेरा में आयल पाम पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कृषक धनेश्वर मंडावी की एक एकड़ भूमि में 50 आयल पाम पौधों का रोपण किया गया। यह विशेष अभियान 15 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा।

उद्यानिकी विभाग को वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले में 250 हेक्टेयर क्षेत्र में आयल पाम रोपण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके अंतर्गत किसानों को आयल पाम पौधे, फेंसिंग, ड्रिप सिंचाई सहित विभिन्न घटकों पर शासन द्वारा निर्धारित अनुदान का लाभ प्रदान करते हुए पौधरोपण कराया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान उद्यान अधीक्षक लोकेश्वर प्रसाद ध्रुव ने किसानों को आयल पाम की वैज्ञानिक एवं उन्नत खेती, प्रति एकड़ संभावित आय, विपणन व्यवस्था तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों से इस लाभकारी फसल को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि करने का आह्वान किया।

जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र सिंह ठाकुर, ग्राम सरपंच प्रकाश चुरगुनिया, उपसरपंच आनंद पवार, पंचगण, विभागीय अधिकारी हिमाचल नेताम, इंद्राणी पेगड़ तथा बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से आयल पाम पौधों का रोपण कर अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी उपलब्धिः जिला अस्पतालों में बढ़ी जटिल ऑपरेशन की क्षमता

सूरजपुर जिला चिकित्सालय में 6 सफल टोटल हिप रिप्लेसमेंट ऑपरेशन, मरीजों को अब नहीं जाना पड़ेगा बड़े शहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकेंद्रीकरण और जिला अस्पतालों को आधुनिक चिकित्सा सेवाओं से सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। सूरजपुर जिला चिकित्सालय ने सफलतापूर्वक 6 टोटल हिप रिप्लेसमेंट (टीएचआर) ऑपरेशन कर यह साबित किया है कि अब जटिल अस्थि शल्य चिकित्सा जैसी अत्याधुनिक सेवाएं भी जिला स्तर पर उपलब्ध हो रही हैं।

इस उपलब्धि से न केवल सूरजपुर बल्कि आसपास के जिलों के मरीजों को भी राहत मिलेगी। अब उन्हें महंगे इलाज के लिए रायपुर या अन्य बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे मरीजों का समय, धन और अनावश्यक परेशानी तीनों

की बचत होगी।

सीएमएचओ डॉ. कपिल देव पैकरा और सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम के नेतृत्व में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय साहू एवं डॉ. अमन गुप्ता ने इन जटिल शल्यक्रियाओं को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. विकास भगत और डॉ. अनिल कुमार ने भी ऑपरेशन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस उपलब्धि में नर्सिंग एवं ऑपरेशन थिएटर की पूरी टीम का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। समर्पित टीमवर्क और आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था के कारण सभी ऑपरेशन सफल रहे।

ऑपरेशन के बाद सभी मरीज स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में तेजी से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार द्वारा जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों, आधुनिक उपकरणों और बेहतर स्वास्थ्य अधोसंरचना पर किए जा रहे निवेश का सकारात्मक परिणाम अब आम नागरिकों तक पहुंच रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि जिला अस्पतालों में टीएचआर जैसी जटिल शल्य चिकित्सा की उपलब्धता से विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर, ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। इससे गंभीर अस्थि रोगों के उपचार की पहुंच बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों का विश्वास भी मजबूत होगा।

सीएमएचओ डॉ. कपिल देव पैकरा ने पूरी चिकित्सा टीम, नर्सिंग स्टाफ एवं सहयोगी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी जिला चिकित्सालय सूरजपुर में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जाएगा, ताकि प्रदेश के नागरिकों को अपने जिले में ही बेहतर और विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध हो सके।

जगदलपुर से पुरी के लिए विशेष ट्रेन रवाना

जगदलपुर। बस्तर के श्रद्धालुओं के लिए बुधवार की सुबह उत्साह और आस्था से सराबोर रही। जगदलपुर रेलवे स्टेशन से भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी के लिए विशेष ट्रेन रवाना हुई। 'जय जगन्नाथ' के जयघोष के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने खुशी और श्रद्धा के साथ अपनी यात्रा शुरू की।

सीधी रेल सेवा मिलने से बस्तर से पुरी जाने वाले यात्रियों का लंबा और कठिन सफर अब काफी आसान हो गया है। यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने स्टेशन पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की। प्लेटफॉर्म पर लगातार सुरक्षा संबंधी घोषणाएं की गईं।

आध्यात्मिक धरोहर और रोमांचक पर्यटन स्थलों का किया विस्तृत भ्रमण

छत्तीसगढ़ की मनोहारी पर्यटन छटा से अभिभूत हुए पूर्व पर्यटन महानिदेशक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की पूर्व महानिदेशक मीनाक्षी शर्मा ने पहली बार पर्यटक के रूप में छत्तीसगढ़ का विस्तृत भ्रमण कर प्रदेश के पर्यटन वैभव, प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और आत्मीय आतिथ्य की मुक्त कंठ से सराहना की।

अपनी 14 दिवसीय यात्रा के दौरान उन्होंने प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया और कहा कि छत्तीसगढ़ ऐसा पर्यटन गंतव्य है, जहां प्रकृति, संस्कृति, इतिहास, आध्यात्मिकता और रोमांच का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह प्रदेश देश के प्रत्येक पर्यटक की यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक भारत के पर्यटन क्षेत्र में कार्य

करने के बावजूद उन्हें पहली बार पर्यटक के रूप में छत्तीसगढ़ आने का अवसर मिला और यह यात्रा उनके लिए अत्यंत सुखद एवं अविस्मरणीय रही।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने उन्हें सकारात्मक रूप से आश्चर्यचकित किया। यहां की प्राकृतिक संपदा, घने वन, विशाल जलप्रपात, प्राचीन मंदिर, जनजातीय संस्कृति, हस्तशिल्प और स्थानीय लोगों का आत्मीय व्यवहार इसे देश के सबसे विशिष्ट पर्यटन राज्यों में स्थान दिलाता है।

श्रीमती शर्मा ने अपनी यात्रा की शुरुआत रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन एवं जनजातीय संग्रहालय से की, जहां उन्होंने प्रदेश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को निकट से देखा। इसके बाद उन्होंने कबीरधाम जिले के प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर, मड़वा महल, छेरकी महल तथा आसपास के वन क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक परिवेश में स्थित भोरमदेव परिसर भारतीय स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विरासत का अनुपम उदाहरण है।

यात्रा के अगले चरण में उन्होंने छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे अमरकंटक पहुंचकर मां नर्मदा उद्गम स्थल, सायंकालीन आरती, कलचुरीकालीन मंदिर समूह, दूधधारा एवं कपिलधारा जलप्रपात, राजमेरगढ़, कबीर चबूतरा तथा जैन मंदिर का भ्रमण किया। उन्होंने इस क्षेत्र को आध्यात्मिक, प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन का अद्वितीय संगम बताया। वापसी के दौरान उन्होंने रतनपुर स्थित मां महामाया शक्तिपीठ में दर्शन कर प्रदेश की समृद्ध धार्मिक परंपराओं का अनुभव प्राप्त किया।

बस्तर प्रवास के दौरान श्रीमती शर्मा ने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात, टाटामारी घाटी, कोंडागांव शिल्प ग्राम, नारायणपाल मंदिर, मेंदरी घुमर एवं तामड़ा घुमर जलप्रपात का भ्रमण किया तथा चित्रकोट में नौकायन का आनंद भी लिया। उन्होंने कहा कि बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय कला विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखती है।

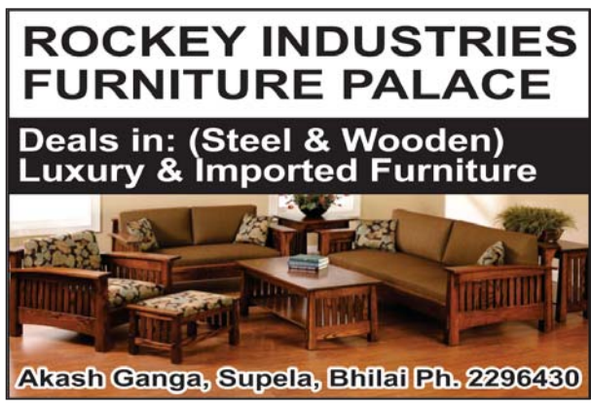

खास खबर

मुरूम का अवैध उत्खनन करने पर जेसीबी एवं माजदा को किया गया जब्त

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग द्वारा राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम ठेलकाडीह, घुमका, चारभाठा, धौराभाठा, कुहुआकुडा, तिलई, डुमरडीहकला सहित अन्य क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम कुहुआकुडा में पूरन लाल के स्वामित्व की जेसीबी क्रमांक सीजी 08 एएम 7858 से वाहन चालक खिलेश सिन्हा तथा होरीलाल के स्वामित्व की माजदा क्रमांक सीजी 24 वी 6723 से वाहन चालक कमलेश यादव द्वारा मुरूम का अवैध उत्खनन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना ठेलकाडीह को सुपुर्द किया गया। प्रकरण में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

32 पाव अवैध देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार, सिटी कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

बलौदाबाजार। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर लगातार कार्रवाई करते हुए सिटी कोतवाली पुलिस ने ग्राम यदू खम्हरिया के झोरकी नाला के पास घेराबंदी कर एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 32 पाव देशी मसाला शराब जब्त की गई है। आरोपी ने अपना नाम रोहित कुमार रात्रे (25 वर्ष) निवासी ग्राम यदू खम्हरिया बताया। गवाहों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर आरोपी के पास रखी प्लास्टिक बोरी से 32 पाव देशी मसाला रोमियो शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 3,200 रुपये है, बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर। बिलासपुर में रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर ने बुधवार की शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल पाया है। जिस समय यह घटना हुई, तब उसकी पत्नी घर में ही मौजूद थीं। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। सरकंडा के चटर्जी गली निवासी सीताराम गुप्ता (68) पिता केदार प्रसाद गुप्ता पुलिस विभाग से सब इंस्पेक्टर पद से रिटायर हुए थे। घर में वो अपनी पत्नी के साथ रहते थे। उनके चार बेटे और एक बेटी है। सभी बेटे और बेटी की शादी हो चुकी है। लेकिन, बेटे घर से अलग रहते थे। अंदर कमरे में उनके पति की लाश फंदे पर लटक रही थी। यह नजारा देखकर घबराई पत्नी ने अपने बेटों और पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी।

भिलाई-दुर्ग में साइबर ठगी पर पुलिस का बड़ा एक्शन

8 लोगों पर केस, 10-15 हजार में बेच देते थे बैंक खाते, ठग करते थे इस्तेमाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने साइबर ठगी के मामलों में इस्तेमाल होने वाले म्यूल बैंक खातों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। छावनी, उतई और दुर्ग कोतवाली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 8 बैंक खाताधारकों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

जांच में सामने आया कि आरोपी कमीशन और कुछ हजार रुपए के लालच में अपने बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड साइबर अपराधियों को दे देते थे। इन्हीं खातों के जरिए ठगी की रकम एक खाते से दूसरे खाते में भेजी जाती थी।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर साइबर अपराध और म्यूल बैंक खातों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना छावनी, उतई, दुर्ग कोतवाली और एसीसीयू की टीम ने बैंक खातों का रिकॉर्ड खंगाला, डिजिटल साक्ष्यों की जांच की और तकनीकी विश्लेषण किया।

जांच के दौरान साइबर ठगी की रकम का पूरा मनी ट्रेल सामने आया, जिसके आधार पर 15 जुलाई को 8 खाताधारकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई।

10 से 15 हजार रुपए में बेचते थे बैंक खाता

पुलिस की जांच में पता चला कि, कुछ आरोपी अपने बैंक खाते साइबर अपराधियों को 10 हजार से 15 हजार रुपए लेकर बेच देते थे। इसके साथ ही वे पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और खाते से जुड़ा सिम कार्ड भी सौंप देते थे। इसके बाद उन खातों का पूरा नियंत्रण साइबर अपराधियों के पास चला जाता था। इन्हीं खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी से मिली रकम को इधर-उधर भेजने और उसका पता छिपाने के लिए किया जाता था।

इनके खिलाफ की गई कार्रवाई

कार्रवाई में जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, उनमें अश्वंश कुमार प्रसाद, सागर राम, नितिन सिंघल, अजय कुमार धहरिया, सोनू कमलाकर पाटने, राहुल यादव, रेखा सिंह और जूही तबस्सुम शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन और दूसरे बैंकिंग दस्तावेज जब्त किए हैं।

खाता बेचने वालों पर होती है कार्रवाई

एएसपी दुर्ग ग्रामीण ने बताया कि कई लोग यह सोचकर अपना बैंक खाता दूसरे को दे देते हैं कि इससे उन्हें आसानी से पैसे मिल जाएंगे, लेकिन बाद में वही खाता साइबर ठगी जैसे अपराधों में इस्तेमाल होता है। ऐसे मामलों में खाताधारक भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आते हैं।

दुर्ग पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक या सिम कार्ड इस्तेमाल के लिए न दें और न ही इन्हें किराए पर दें या बेचें।

गेवरा माइंस लूटकांड में 3 आरोपी गिरफ्तार 10-12 नकाबपोशों ने दी थी वारदात को अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के एसईसीएल गेवरा माइंस के बैकअप ऑफिस में हुई लूटपाट के मामले में दीपका पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कर्मचारी और सीआईएसएफ जवान से मारपीट कर मोबाइल और तांबे के केबल तार लूटे थे। तीनों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

घटना 7 जुलाई की रात करीब 11 बजे की है। 10 से 12 नकाबपोश बदमाश गेवरा माइंस के बैकअप ऑफिस में घुस गए। ड्यूटी पर मौजूद एसईसीएल कर्मचारी जगन्नाथ पटेल से

मोबाइल लूटने के बाद कार्यालय में रखा तांबे का केबल वायर भी ले गए।

विरोध करने पर सीआईएसएफ जवान से मारपीट

वारदात के दौरान सीआईएसएफ जवान मिथुन एम ने विरोध किया तो बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की और उनका सैमसंग एस-22 मोबाइल भी लूट लिया। घटना के बाद दीपका थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

तीन आरोपी गिरफ्तार नकदी बरामद

जांच के दौरान पुलिस ने ग्राम रालिया निवासी अरुण चौहान उर्फ ददू (23), सरजू प्रसाद चौहान (39) और रोहित यादव (18) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में तीनों ने अपराध स्वीकार कर लिया। उनकी निशानदेही पर केबल बेचकर मिली नकदी और अन्य साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

चार आरोपी अब भी फरार

पुलिस के अनुसार, इस लूटकांड में रोशन यादव, भानु विश्वकर्मा, किरण चौहान और भागवत कुशरे भी शामिल हैं, जो अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। दीपका पुलिस ने बताया कि लूटे गए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए जांच जारी है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला की हत्या की गुत्थी सुलझी: अफेयर के शक में प्रेमी ने की थी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के आरंग थाना क्षेत्र के ग्राम पारागांव के श्मशान घाट स्थित महानदी तट पर लहूलुहान हालत में महिला की लाश मिली थी। इस मामले का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है।

पुलिस ने हत्या के आरोप में महिला के प्रेमी सोनू सरदार उर्फ अवतार सिंह (37) को रायपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में चरित्र शंका के चलते हत्या करना स्वीकार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 13 जुलाई 2026 को महानदी तट पर रूकमणी सोनवानी का शव बरामद हुआ था। शव पर जांघ, कूल्हे, हाथ और पैरों में गंभीर चोटों के निशान थे। मामले की गंभीरता को देखते

हुए पुलिस ने तत्काल विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की।

जांच में सामने आया कि मृतका का पिछले 6-7 वर्षों से पंजाब निवासी और वर्तमान में ग्राम मुढीपार, थाना पिथौरा में रहने वाले सोनू सरदार उर्फ अवतार सिंह के साथ प्रेम संबंध था।

पुलिस के मुताबिक, 12 जुलाई की रात करीब 9:30 बजे आरोपी ने रूकमणी को किसी अन्य पुरुष के साथ देख लिया। इससे वह भड़क गया और चरित्र पर संदेह करते हुए पहले गाली-गलौज की, फिर धारदार कड़े और हाथ-मुक्कों से बेरहमी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी शव को महानदी तट स्थित श्मशान घाट के पास फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी का पीछा करते हुए उसे रायपुर से हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया है। 15 जुलाई 2026 को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की आगे की जांच जारी है।

मोबाइल चार्जर और माइक मांगने पर पेट में मारा चाकू, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर शहर में मोबाइल चार्जर और माइक वापस मांगने पर एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के बाद युवक के पेट में चाकू मारकर उसे घायल कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, वारदात 13 जुलाई की है। महारानी वार्ड निवासी पीड़ित युवक अपने मोबाइल चार्जर और माइक को वापस लेने आरोपी देव कुड़ियम उर्फ कोदू के पास गया था। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि देव कुड़ियम ने पहले पीड़ित के साथ गाली-गलौज की और फिर जान से मारने की धमकी देते हुए अपने पास रखे धारदार चाकू से उसके पेट के बाएं हिस्से पर वार कर दिया।

हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका उपचार जारी है। वारदात की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद कोतवाली थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन पर कोतवाली थाना प्रभारी लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी देव कुड़ियम को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पुलिस का कहना है कि पूछताछ में उसने वारदात को स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी जब्त कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी आदतन बदमाश है और उसके खिलाफपूर्व में गृह अतिचार, घर में आग लगाने और चोरी जैसे मामलों में कार्रवाई हो चुकी है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कटघोरा में प्रयागराज के युवक की संदिग्ध मौत: खुद को पत्नी बताने वाली महिला गायब, परिजनों ने की जांच की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के कटघोरा में प्रयागराज निवासी 22 वर्षीय अभिषेक कुमार गौड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक को जहर सेवन की हालत में अस्पताल लाया गया था। मौत के बाद खुद को उसकी पत्नी बताने वाली एक महिला अस्पताल से अचानक गायब हो गई। वहीं, मृतक का मोबाइल, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज भी नहीं मिले हैं।

जानकारी के अनुसार, अभिषेक पिछले दो साल से बिलासपुर की एक शीशा फैक्ट्री में मजदूरी करता था। मंगलवार (14 जुलाई) दोपहर उसे गंभीर हालत में कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पत्नी होने का दावा कर महिला हुई गायब

मौत की सूचना मिलने पर एक महिला अस्पताल पहुंची और खुद को अभिषेक की पत्नी बताते हुए उनके दो बच्चे होने का दावा किया। पुलिस ने उससे पूछताछ की, लेकिन कुछ देर बाद वह अस्पताल से चली गई और वापस नहीं लौटी।

मोबाइल और दस्तावेज नहीं मिले

पुलिस ने मृतक की जेब से मिले एक कागज पर लिखे नंबर के आधार पर प्रयागराज में रहने वाले उसके पिता नीरज कुमार गौड़ को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि अभिषेक ने शादी की बात जरूर बताई थी, लेकिन परिवार को अधिक जानकारी नहीं थी। पुलिस के मुताबिक, मृतक के पास से मोबाइल, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य दस्तावेज नहीं मिले। केवल 401 रुपये नकद और कुछ कागज बरामद हुए।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के पिता ने मौत को संदिग्ध बताते हुए मामले की गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि अभिषेक के जहर खाने के पीछे कोई और वजह हो सकती है।

बिना बताए पत्नी के खाते से 28 लाख उड़ाए, ज्वाइंट अकाउंट भी खुलवाया

आरोप- अलग रहने के दौरान खाते से निकाले पैसे, एफआईआर दर्ज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पति ने पत्नी के बैंक खाते से 28 लाख रुपए से अधिक निकाल लिए। महिला का आरोप है कि पति ने उसकी जानकारी और सहमति के बिना बचत खाते को ज्वाइंट अकाउंट में बदलवाया और बाद में उसमें जमा पूरी राशि निकाल ली। मामला भूपदेवपुर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, ग्राम किरीतमाल निवासी प्रभा डनसेना (38) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि पति मनोज डनसेना से विवाद के चलते वह साल 2024 से अपने बेटे के साथ विकास नगर में किराए के मकान में रह रही है। दोनों के बीच तलाक और भरण-पोषण का मामला फिलहाल रायगढ़ के कुटुंब न्यायालय में विचाराधीन है।

बिना सहमति खाते में जुड़वाया अपना नाम

शिकायत में महिला ने बताया कि उसके नाम से ग्रामीण बैंक, भूपदेवपुर में बचत खाता संचालित है, जिसमें वह लंबे समय से राशि जमा कर रही थी। आरोप है कि पति ने उसकी जानकारी और सहमति के बिना बैंक में आवेदन देकर खाते में अपना नाम जुड़वाया और उसे ज्वाइंट अकाउंट बनवा लिया।

3 जुलाई को निकाले 28.04 लाख रुपए

महिला के अनुसार, दोनों के अलग रहने के दौरान 3 जुलाई को मनोज डनसेना ने खाते से 28 लाख 4 हजार 710 रुपए निकाल लिए। बाद में जब वह खुद बैंक से पैसे निकालने पहुंची, तब उसे खाते से पूरी राशि निकाले जाने की जानकारी मिली।

घटना के बाद महिला ने परिजनों को जानकारी देने के बाद भूपदेवपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316(2) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस बैंक दस्तावेजों और खाते से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

डैम में मिले शव के हाथ में चश्मा और घड़ी, पिता बोले- हत्या हुई

बिलासपुर। कोटा क्षेत्र के औरापानी डैम में सोमवार को बिलासपुर के युवक ऋषभ देव सिंह (32) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पुलिस को उसका शव डैम से मिला था। शव के हाथ में चश्मा और कलाई पर घड़ी बंधी हुई थी। इसे देखते हुए मृतक के पिता ने इसे सामान्य हादसा मानने से इनकार किया है। उन्होंने बेटे की हत्या कर शव को पानी में फेंके जाने की आशंका जताते हुए बुधवार को आईजी रामगोपाल गर्ग से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सरकंडा के बंगाली पारा गली नंबर-4 निवासी ओमप्रकाश सिंह ने आईजी को दी शिकायत में बताया कि उनका 32 वर्षीय इकलौता बेटा ऋषभ देव सिंह 12 जुलाई की रात करीब 10 बजे दोस्तों के बुलाने पर उनके साथ गया था। अगले दिन सुबह उसके दोस्त विनय ने फोन कर बताया कि ऋषभ औरापानी डैम में डूब गया है। ओमप्रकाश सिंह का कहना है कि जब वे मौके पर पहुंचे तो बेटे का शव पानी और कीचड़ के बीच बैठी हुई स्थिति में था। उसके एक हाथ में चश्मा और कलाई पर घड़ी बंधी हुई थी।

उनका आरोप है कि शव की स्थिति देख ऐसा नहीं लग रहा कि उसने डूबने से पहले बचने का प्रयास किया हो। इसी आधार पर उन्होंने हत्या की आशंका जताई है। कार और मोबाइल जब्ती नहीं होने पर उठाए सवाल मृतक के पिता ने पुलिस की जांच पर भी सवाल उठाए हैं। पोस्टमार्टम तो कराया गया, लेकिन घटना के बाद अब तक पुलिस ने मृतक का मोबाइल, कपड़े और अन्य सामान जब्त नहीं किए हैं।

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता श्रीमती संतोषी साहू पति श्री रमेश कुमार साहू निवासी ठेकवा, मुसरा तह. व जिला जनांदगांव छ.ग. की निवासी हूँ, जो कि यह कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत कर रही हूँ। मैं उपरोक्त पते पर निवास करती हूँ। मेरे पुत्री के नाम से जारी आधार कार्ड क्रमांक- 5945 4568 4807 में मेरी पुत्री का नाम नारायणी साहू दर्ज है। जो सही एवं सत्य है। एफआईआर के कॉपी में त्रुटिवश मेरी पुत्री का नाम नारायणी साहू उर्फ नीति दर्ज हो गया है। यह कि जिससे नारायणी साहू को सही किये जाने तथा उर्फ नीति को हटाने के संबंध में प्रस्तुत कर रही हूँ। उक्त दोनों नाम नारायणी साहू व नारायणी साहू उर्फ नीति ये दोनों ही नाम अलग अलग है, किन्तु ये दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरी पुत्री का ही नाम हैं जो कि सही एवं सत्य है। शपथपत्र सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष मेरे सम्पूर्ण दस्तावेजों में मेरी पुत्री का सही नाम नारायणी साहू दर्ज किये जाने के संबंध में प्रस्तुत कर रही हूं।

शपथकर्ता
संतोषी साहू

-:: कार्यालय सेनानी, प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई ::-

क्रमांक-प्रथम बटा/छसबल/भि/सा.अ/336-A/2026, दिनांक-13/07/2026

निविदा विज्ञप्ति

प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई परिसर में पानी की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए 01 नग भूमिगत वाटर टैंक निर्माण कराने बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- (सात सौ पचास) तथा निविदा के अनुसार प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई परिसर में 1 नग वाटर टैंक निर्माण कराने हेतु सीलबंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करें।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि	धरोहर राशि
1	प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई परिसर में पानी की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए 01 नग भूमिगत वाटर टैंक निर्माण कराने बाबत्	19,18,000/-	19180/-

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र सहित) के साथ रुपये 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट, 800 के अंतर्गत सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. को प्रस्तुत कर कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदा की समय सारणी

1	निविदा फार्म जमा करने का पता	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई (छ.ग.)
2	निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 30.07.2026 को 17.00 बजे तक
3	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 11.08.2026 को समय 12.00 बजे तक
4	टेक्निकल बिड जमा किये जाने का स्थान, समय एवं तिथि	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई (छ.ग.) दिनांक 17.08.2026 को समय 15.00 बजे तक
5	फायनेंसियल बिड खोले जाने का स्थान, समय एवं तिथि	पृथक से सूचित किया जावेगा
6	बिड की वैधता	31.03.2027 तक

नोट:- 01- किन्ही कारणों से यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो दूसरे कार्यालयीन दिवस पर निविदा खोली जावेगी।
02- डाक द्वारा भेजा गया निविदा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

जी-262702125/5

सेनानी,
प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई

छत्तीसगढ़ विधानसभा उत्कृष्ट कार्य संस्कृति और स्वस्थ संसदीय परंपरा का जीवंत उदाहरण : राज्यपाल डेका

- प्रदेश के विकास और जनहित के संकल्पों को साकार करने का सशक्त मंच है विधानसभा - मुख्यमंत्री साय
- छत्तीसगढ़ विधानसभा ने स्थापित की उत्कृष्ट संसदीय परंपराएं, लोकतांत्रिक मूल्यों को किया सशक्त - डॉ. रमन सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अपने गठन के बाद से लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय गरिमा और अनुशासन की ऐसी उत्कृष्ट परंपराएं विकसित की हैं, जिनकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना होती है। यह प्रसन्नता का विषय है कि 1 नवंबर 2025 को यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नवीन विधानसभा भवन का लोकार्पण किया गया था और आज उसी परिसर में नवनिर्मित प्रेक्षागृह का लोकार्पण राज्यपाल रमेन डेका के करकमलों से संपन्न हुआ है। यह विधानसभा की संस्थागत क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित प्रेक्षागृह में आज उत्कृष्टता अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

लोकतांत्रिक परंपराओं, संसदीय मूल्यों और उत्कृष्ट जनप्रतिनिधित्व को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित इस गरिमामयी समारोह में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने विधानसभा परिसर में नवनिर्मित प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट संसदीय कार्य के लिए बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक तथा अकलतरा विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह को उत्कृष्ट विधायक अलंकरण से सम्मानित किया गया। पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के लिए दैनिक पत्रिका के संवाददाता संतराम साहू को उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार अलंकरण तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उत्कृष्ट रिपोर्टिंग के लिए आईबीसी-24 के सौरभ सिंह परिहार एवं डॉ. राजेश राज को उत्कृष्ट इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रिपोर्टर अलंकरण प्रदान किया गया।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा लोकसेवा का वह केन्द्र है जहां जनसेवक संसदीय सदन में लोक कल्याण का पावन अनुष्ठान संपादित करते हैं और इसलिए लोकतंत्र में संसदीय सदन को मंदिर की संज्ञा दी गयी है और इस मंदिर की प्रतिष्ठा सभी सदस्यों के आचरण व्यवहार और विचार पर निर्भर करती है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा की गणना देश की श्रेष्ठ विधानसभाओं के उदाहरण के रूप में होती है। इस विधानसभा में पक्ष-प्रतिपक्ष के मध्य जो समन्वय है, सामन्जस्य है, और समादर का भाव है, वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। राज्यपाल श्री डेका ने अपने संबोधन में सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर में जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनता के प्रति उत्तरदायी रहते हुए समर्पण भाव से कार्य करें। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि सभी प्रतिनिधि मिलकर प्रदेश के विकास के लिए कार्य करें, तभी राज्य निरंतर प्रगति करेगा। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से संवाद, स्वच्छता अभियान में सहभागिता तथा समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले कार्यों को प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा देश की पहली और एकमात्र ऐसी विधानसभा है, जहां गर्भगृह में किसी विधायक के प्रवेश करते ही वे स्वत: निलंबित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि आत्मानुशासन, संसदीय मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। ऐसी विशिष्ट संसदीय परंपराओं ने छत्तीसगढ़ विधानसभा को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और पत्रकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को जनता से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही, जनहित के मुद्दों और लोकतांत्रिक विमर्श को निष्पक्ष एवं तथ्यपरक ढंग से जनता तक पहुँचाने में संसदीय पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सम्मानित पत्रकारों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाती है।

मुख्यमंत्री साय ने सम्मानित विधायकों की सराहना करते हुए कहा कि धरमलाल कौशिक का सार्वजनिक जीवन अत्यंत समृद्ध और अनुभवपूर्ण रहा है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संसदीय परंपराओं को समृद्ध किया है। वहीं राघवेंद्र कुमार सिंह ने प्रथम बार विधायक निर्वाचित होने के बावजूद सदन में तथ्यपूर्ण, अध्ययनशील एवं प्रभावी ढंग से अपनी बात रखकर एक सकारात्मक पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि दोनों जनप्रतिनिधियों का सम्मान लोकतांत्रिक मूल्यों और उत्कृष्ट संसदीय आचरण के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नवीन विधानसभा भवन के लोकार्पण के बाद आज नवनिर्मित प्रेक्षागृह का लोकार्पण विधानसभा के विकास की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा की षष्ठम विधानसभा अपने कार्यकाल में उत्कृष्ट संसदीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सदैव स्मरणीय रहेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पक्ष और प्रतिपक्ष राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रदेशहित के विषयों पर सकारात्मक और सार्थक चर्चा करते हैं। यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है।

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि उत्कृष्टता अलंकरण केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों का सम्मान नहीं है, बल्कि यह संसदीय लोकतंत्र की सर्वोत्तम परंपराओं को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी है। ऐसे सम्मान जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक उत्तरदायी तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेरित करते हैं। समारोह के सांस्कृतिक आयोजन में देश के प्रख्यात भजन गायक अनूप जलोटा ने अपने लोकप्रिय भजनों की मनोहारी प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। उनकी मधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे प्रेक्षागृह को आध्यात्मिक वातावरण से अनुप्राणित कर दिया और कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, विधायकगण, विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकार तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने पर्वतारोही अमिता श्रीवास को दी बधाई

अमिता की उपलब्धि पूरे छत्तीसगढ़ और देश के लिए गर्व का विषय, युवाओं और बेटियों के लिए प्रेरणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से जांजगीर-चांपा जिले की होनहार पर्वतारोही अमिता श्रीवास ने सौजन्य मुलाकात की।

मुख्यमंत्री साय ने विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर इतिहास रचने वाली अमिता श्रीवास को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर विधायक गोमती साय उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अमिता श्रीवास ने अपने साहस, अदम्य इच्छाशक्ति, अनुशासन और अटूट संकल्प के बल पर विश्व की सबसे ऊँची चोटी पर भारत का तिरंगा लहराकर न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर प्रयास से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। अमिता श्रीवास की सफलता प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का सशक्त उदाहरण है।

उल्लेखनीय है कि जांजगीर-चांपा जिले की रहने वाली पर्वतारोही अमिता श्रीवास ने 22 मई को समुद्र तल से 8,848.86 मीटर ऊंची दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर छत्तीसगढ़ और देश का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री साय की पहल से सेवा सेतु बना सुशासन का सशक्त डिजिटल माध्यम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन और डिजिटल प्रशासन को नई गति देने वाला सेवा सेतु पोर्टल आज आम नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक आसान, पारदर्शी और समयबद्ध पहुंच का सशक्त माध्यम बन गया है। इस अभिनव पहल के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को अब 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो गई है।

सेवा सेतु पोर्टल का लाभ प्रदेशभर के नागरिकों को मिल रहा है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले की सुश्री संतोषी सिंह को भी इस व्यवस्था से राहत मिली। उन्होंने निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। प्रारंभिक परीक्षण के दौरान आवश्यक भूमि संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण आवेदन लंबित हो गया था। संबंधित अधिकारियों ने उन्हें वैकल्पिक दस्तावेज प्रस्तुत करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया। इसके बाद उन्होंने 15 वर्ष के निवास संबंधी प्रमाण एवं जन्म संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद उनका निवास प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु के माध्यम से उनकी वर्षों पुरानी समस्या का सहज समाधान हो गया। ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से सीमित सेवाएं उपलब्ध थीं, लेकिन अब इसे विस्तारित और उन्नत स्वरूप देकर सेवा सेतु के रूप में विकसित किया गया है।

बस्तर में प्रारंभिक शिक्षा का नया मॉडल: आंगनबाड़ी बनी बच्चों के सपनों की पाठशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रारंभिक बाल शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में बस्तर जिले के ग्राम पंचायत पिपलावंड के मारीपारा आंगनबाड़ी केंद्र ने एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मनरेगा और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से निर्मित यह आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र अब केवल बच्चों के पोषण और देखभाल का केंद्र नहीं, बल्कि आकर्षक, सुरक्षित और नवाचार आधारित प्रारंभिक शिक्षा का सशक्त माध्यम बन गया है। पहले जर्जर भवन में संचालित होने वाले इस आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को पढ़ाई

और गतिविधियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ग्राम पंचायत की पहल पर जनपद पंचायत बस्तर के माध्यम से नवीन भवन की स्वीकृति प्राप्त की गई। वर्ष 2024-25 में कुल 11.69 लाख रुपये की लागत से भवन का निर्माण कराया गया, जिसमें मनरेगा से 8 लाख रुपये, महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रुपये तथा गौड़ खनिज मद से 1.69 लाख रुपये की राशि का उपयोग किया गया।

नवीन भवन का बाहरी स्वरूप बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करता है। भवन की दीवारों पर हिंदी वर्णमाला, अंग्रेजी अक्षर, आकर्षक चित्र, अल्फाबेट ट्री और शैक्षणिक भित्ति चित्र उकेरे गए हैं, जिससे बच्चों में खेल-खेल में सीखने की रुचि विकसित हो रही है। आंगनबाड़ी के अंदर भी सीखने के अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है।

मैनपाट में 'नाशपाती' की मिठास: एग्री-टूरिज्म का नया गढ़ बना छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के शिमला के रूप में मशहूर पर्यटन स्थल मैनपाट अब एग्री-टूरिज्म (कृषि पर्यटन) के एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहाँ की अनुकूल जलवायु और राज्य शासन के उद्यानिकी विभाग की कल्याणकारी नीतियां स्थानीय किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। पारंपरिक खेती को छोड़कर यहाँ के प्रगतिशील किसान अब फलोद्यान की ओर रुख कर सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं।

ऐसी ही एक प्रेरक सफलता की कहानी मैनपाट के ग्राम बारिमा निवासी कृषक मनोज यादव की है, जिन्होंने ग्राम कुदारीडीह (मेहता पॉइंट के पास) में नाशपाती का सफल बागान तैयार कर शानदार मुनाफा कमाया है।

कृषक मनोज यादव ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2017-18 में मैनपाट के कमलेश्वरपुर स्थित शासकीय उद्यान रोपणी से नाशपाती के पौधे हासिल किए थे। उन्होंने अपनी 0.500 हेक्टेयर गोड़ा जमीन (पठारी और खाली पड़ी भूमि) पर लगभग 200 पौधे रोपे थे। कुछ पौधे प्राकृतिक कारणों से नष्ट जरूर हुए, लेकिन वर्तमान में उनके पास 170 पूरी तरह से फलदार पेड़ मौजूद हैं। मनोज ने अपनी इस सफलता का श्रेय उद्यानिकी विभाग को देते हुए बताया कि कमलेश्वरपुर उद्यान विभाग के अधिकारी-कर्मचारी समय-समय पर बागान का निरीक्षण करते हैं और खाद की मात्रा से लेकर पौधों के रखरखाव के लिए निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

इस वर्ष ओलावृष्टि और बाजार में बिक्री में हुई थोड़ी देरी के बावजूद, मनोज यादव के बागान से लगभग 2.5 पिकअप (करीब 260 कैरेट) नाशपाती का थोक उत्पादन हुआ। प्रति पिकअप 100 से 110 कैरेट की औसत से 500 रुपये प्रति कैरेट की दर पर थोक बाजार में फसल बेची गई, जिससे लगभग 1,30,000 रुपये की आय हुई।

इसके अलावा खुले बाजार और पर्यटकों को सीधे फल बेचकर 25 से 30 हजार रुपये कमाए गए। इस तरह इस सीजन में उन्हें कुल 1.5 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई। मनोज यादव ने बताया कि पिछले वर्ष अनुकूल मौसम के दौरान इसी बागान से उन्हें 2.5 से 3 लाख रुपये की बंपर कमाई हुई थी।

एग्री-टूरिज्म का हॉट स्पॉट बना कुदारीडीह

यह बागान अब केवल फल उत्पादन का जरिया नहीं रहा, बल्कि पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र बन चुका है। लालमाटी के नाम से मशहूर इस खूबसूरत स्थान से रायगढ़ क्षेत्र का बेहद मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहाँ रोजाना करीब 100 से 250 पर्यटक प्राकृतिक खूबसूरती का लुत्फ उठाने पहुँचते हैं। पर्यटक यहाँ आकर न केवल 50 से 100 रुपये प्रति किलो की दर से ताजी नाशपाती खरीदते हैं, बल्कि खुद अपने हाथों से पेड़ों से फल तोड़ने का रोमांचक अनुभव भी लेते हैं। पर्यटकों के इस सीधे जुड़ाव से किसानों को बिचौलियों के बिना सीधे अपनी उपज बेचने का एक बेहतरीन मंच मिल रहा है।

युवाओं और अन्य किसानों के लिए बने मिसाल

प्रगतिशील किसान मनोज यादव ने क्षेत्र के युवाओं और किसानों से अपील की है कि वे अपनी खाली पड़ी अनुपयोगी भूमि पर पारंपरिक खेती के साथ-साथ नाशपाती, लीची और अन्य फलदार पौधों की बागवानी अपनाएं। इससे कम रकबे में भी अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है और पर्यटन क्षेत्रों के पास होने के कारण सीधे उपभोक्ताओं को फसल बेचकर अतिरिक्त लाभ भी लिया जा सकता है। जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग द्वारा वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को फलोद्यान विकास, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और उन्नत कृषि पद्धतियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास लगातार जारी है। मनोज यादव जैसे किसान इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि वैज्ञानिक मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से बागवानी को एक बेहद मुनाफे वाले व्यवसाय में बदला जा सकता है।

नक्सल मुक्त बस्तर से अब 'योग युक्त बस्तर' की ओर बढ़ेगा अभियान

योग को जन-जन तक पहुंचाने की तैयारी, बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को मिलेगा नियमित प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नक्सलवाद के खूनी साए से निकलकर बस्तर अब शांति, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास की एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा संचालित नियद नेल्ला नार और आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के परिणामस्वरूप बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। भयमुक्त माहौल में अब 'योग युक्त बस्तर' और 'बस्तर 2.0' के तहत युवाओं को शारीरिक-मानसिक रूप से सशक्त और मुख्यधारा से जोड़ने की अनूठी पहल की जा रही है।

क्षेत्र में शांति और मानसिक शांति स्थापित करने हेतु योग शिविरों और स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो 'योग युक्त बस्तर' की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बीजापुर के एक दिवसीय प्रवास के दौरान आश्रम एवं छात्रावासों में कार्यरत योग प्रशिक्षकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले में योग

गतिविधियों के विस्तार और अधिक से अधिक लोगों तक योग पहुंचाने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

विद्यालयों और गांवों में बढ़ेगा योग का दायरा: श्री अग्रवाल ने बताया कि नए शिक्षा सत्र से विद्यालयों में योग को अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता और स्वस्थ जीवनशैली का विकास होगा। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में योग वाटिकाओं का निर्माण कर लोगों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बस्तर में चलेगा व्यापक जनजागरूकता अभियान: संजय अग्रवाल ने कहा कि बस्तर संभाग को प्राथमिकता देते हुए योग आयोग व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएगा। इसका उद्देश्य योग को लोगों की दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना और स्वस्थ, निरोग तथा सकारात्मक समाज का निर्माण करना है।

इस अवसर पर राज्य प्रभारी पतंजलि योग समिति डॉ. मनोज पाणिग्रही, जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति रायपुर राममणि शुक्ल, राज्य कार्यकारी भारत स्वाभिमान न्यास रायपुर ईला हरि राव, प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ. राकेश ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

'योग युक्त बस्तर' बनाने पर विशेष जोर

सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में अग्रवाल ने कहा कि नक्सल मुक्त बस्तर अब योग युक्त बस्तर बनेगा। उन्होंने बताया कि योग आयोग का उद्देश्य योग को जनआंदोलन बनाकर हर व्यक्ति तक इसके लाभ पहुंचाना है।

हर आयु वर्ग को मिलेगा योग का लाभ

संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के माध्यम से बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को नियमित योगाभ्यास कराया जाएगा। योग स्वस्थ और निरोग जीवन का आधार है। साथ ही, गर्भवती महिलाओं के लिए भी योग लाभकारी है और सामान्य प्रसव में सहायक साबित हो सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950